जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 144 दिनांक: 08-05-2022 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर में कमीशन की कार्यवाही कर रहे एडवोकेट कमिश्नर को बदलने को लेकर अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर ने वादी पक्ष और एडवोकेट कमिश्नर से आपत्ति मांगा है।

अंक तालिका में अब टीम के फैंस की दिलचस्पी बढ़ रही है क्योंकि इस बार मुकाबला 8 नहीं बल्कि 10 टीमों के बीच है। लखनऊ की टीम ने कोलकाता को 75 रनों से हराकर प्वाइंट्स टेबल के टाप कर कब्जा कर लिया है।

आंध्र प्रदेश-ओडिशा तट पर चक्रवाती तूफान का खतरा, प्रशासन ने पूरी कीं एहतियाती तैयारियां

भुवनेश्वर (ईएमएस)। दक्षिण अंडमान सागर पर बने निम्न दबाव के क्षेत्र के चक्रवाती तूफान में तब्दील होने और अगले सप्ताह की शुरुआत तक आंध्र प्रदेश-ओडिशा के समुद्र तट तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण अंडमान सागर और उससे सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में मौसम प्रणाली के उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और शनिवार तक दबाव के क्षेत्र में बदलने की संभावना है। यह रविवार शाम तक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। मौसम कार्यालय ने चक्रवाती तूफान के मद्देनजर अगले सप्ताह मंगलवार से शुक्रवार के बीच पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में गरज के साथ छींटें पड़ने तथा भारी बारिश होने की भी चेतावनी दी है। ओडिशा सरकार के अनुसार, मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए आपदा मोचन बल और दमकल सेवाओं को तैयार रहने को कहा गया है। क्षेत्र में पिछली तीन गर्मियों में चक्रवाती तूफान आए थे। ओडिशा में 2021 में 'यास', 2020 में 'अम्फान' और 2019 में 'फानी' तूफान आया था।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि निम्न दाब के क्षेत्र के उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में दबाव के क्षेत्र में बदलने तथा पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी में इसके चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है। यह 10 मई तक तट पर पहुंच सकता है। महापात्र ने कहा, 'हमने अभी यह अनुमान नहीं जताया है कि यह कहां दस्तक देगा। हमने इसके दस्तक देने के दौरान हवा की संभावित गति का भी कोई जिक्र नहीं किया है।

ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) पी के जेना ने कहा कि हमने एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) के 17 दलों, ओडीआरएएफ (ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल) और दमकल विभाग के 175 दलों को बुलाया है। इसके अलावा, एनडीआरएफ प्राधिकारियों से किसी भी आपात स्थिति के लिए 10 और दलों को तैयार रखने का अनुरोध किया गया है। जेना ने बताया कि समुद्र में मछुआरों की गतिविधि पर नजर रखने के लिए भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल को चौकन्ना रहने को कहा गया है।

घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम आदमी के ??लिए खाना पकाना और महंगा हो गया है। श?निवार से घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 50 रुपए बढ़ गई है। इसके बाद दिल्ली में 14.2 किलोग्राम घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 999.50 रुपए हो गई है। यह बढ़ोतरी आज से शनिवार 7 मई 2022 से लागू हो गई है। गौरतलब है ?कि इससे पहले मार्च 2022 में भी सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़ाए गए थे। वहीं इस महीने कामर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में भी 102 रुपए की वृद्धि की गई थी। पटना में 14.2 किलोग्राम घरेलू एलपीजी सिलेंडर 1089.5 रुपए, लखनऊ में 1037.5 रुपए और पंजाब में इसकी कीमत 1035 रुपए हो गई है। बता दें कि पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दामों में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। 22 मार्च को सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर में 50 रुपए की वृद्धि हुई। इससे पहले 6 अक्टूबर 2021 के बाद घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ था। घरेलू रसोई गैस की कीमतें लोकल टैक्स के कारण एक राज्य से दूसरे राज्य में अलग-अलग होती हैं। फ्यूल रिटेल विक्रेता हर महीने की शुरुआत में रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन करते हैं। वहीं हर दिन पेट्रोल डीजल की कीमत बदलती है।

एलपीजी दाम बढोतरी पर भड़की कांग्रेस, कहा- वापस हों बढी कीमत, 2014 के स्तर पर लाई जाए

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में आसमान छूती मंहगाई और घरेलू रसोई गैस की कीमत में केंद्र सरकार द्वारा की गई बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस भड़क गई है। कांग्रेस ने कहा कि एलपीजी की बढ़ी कीमतें सरकार को तुरंत वापस लेनी चाहिए और सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम को साल 2014 के समय रही कीमत के बराबर लाना चाहिए। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोतरी की खबर आने के बाद यह दावा भी किया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में सब्सिडी वाली रसोई गैस के दाम में 585 रुपये की बढ़ोतरी की है और सब्सिडी भी खत्म कर दी है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, 'भाजपा मालामाल, जनता बेहाल। भाजपा राज में सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर का दाम ढाई गुना अधिक हो चुका है। रसोई गैस अब मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग की पहुंच से बाहर हो चुकी है।' उनके मुताबिक, मई 2014 में सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 414 रुपये थी जो आज 999.50 रुपये हो चुकी है, यानी इसमें 585 रुपये से अधिक की वृद्धि हुई है।

सुरजेवाला ने सरकार से आग्रह किया, 'सब्सिडी वाली रसोई गैस की कीमत को 2014 के स्तर पर लाया जाए।' कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पार्टी मुख्यालय में गैस सिलेंडर पर माला चढ़ाकर और सब्जियों के समक्ष अगरबत्ती जलाकर महंगाई को लेकर सरकार पर तंज कसा। उनका कहना था कि यह 'सिलेंडर की श्रद्धांजलि सभा' है। खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, 'विदेश दौरे से वापस आते ही साहब (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) ने गैस सिलेंडर की कीमत 50 रुपये बढ़ा दी। कभी मोदी जी ने बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर कहा था कि सब्सिडी को सरेंडर करिये। आज यह हालत देख कर लगता है कि सिलेंडर को ही सरेंडर कर दिया जाए।' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने एलपीजी पर वर्ष 2013-14 में 46,458 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी थी, लेकिन मोदी सरकार ने 2015-16 में घटाकर यह सब्सिडी 18 करोड़ रुपये कर दी और 2016-17 में इसे शून्य कर दिया।

खेड़ा ने कहा, 'इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जिन 23 करोड़ लोगों को संप्रग सरकार ने गरीबी रेखा से ऊपर उठाया था, वे 23 करोड़ लोग फिर से गरीबी रेखा के नीचे चले गए और इसमें 14 करोड़ लोग और बढ़ गए। ऐसे में सरकार के पास बड़ा दिल होना चाहिए, लेकिन इस सरकार के पास दिल ही नहीं है।' उन्होंने कहा कि इस सरकार ने कमर्शियल सिलेंडर के दाम पिछले महीने 102 रुपये बढ़ा दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार लोगों को हर तरीके से चोट पहुंचा रही है। खेड़ा ने कहा, 'हमारी मांग है कि देश को कुछ राहत दीजिए। बढ़ोतरी वापस लीजिए। इसे 2014 के दाम के स्तर पर लाइए। देश राहत की भीख मांग रहा है।'

टीआरएस से हाथ मिलाने की बात भी किसी नेता ने की तो उसे कांग्रेस से बाहर कर देंगे : राहुल गांधी

लखनऊ (ईएमएस)। तेलंगाना में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। सभी पार्टियों ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। राहुल गांधी ने भी कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। उन्होंने किसानों की एक बड़ी रैली को संबोधित किया। उस रैली में राहुल गांधी ने साफ कर दिया है कि चुनाव में कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ने जा रही है और के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली टीआरएस से गठबंधन नहीं करेगी।

राहुल गांधी ने उन कांग्रेस नेताओं को भी चेतावनी दी है, जो इस प्रकार के किसी भी समझौते की पैरवी करते हैं। राहुल ने कहा कि एक बात अच्छी तरह समझ लीजिए और कांग्रेस का हर नेता, हर कार्यकर्ता इस बात को अच्छी तरह समझे, जिस व्यक्ति ने तेलंगाना के साथ धोखा किया है, जिस व्यक्ति ने तेलंगाना से चोरी की है, जिस व्यक्ति ने तेलंगाना के सपने को नष्ट किया है, उसके साथ कांग्रेस पार्टी का कोई समझौता नहीं होगा और अगर ये सवाल आज के बाद किसी भी कांग्रेस नेता ने उठाया, उसको हम कांग्रेस पार्टी से बाहर कर देंगे।

चाहे वह कोई भी हो, कितना भी बड़ा हो, उसको हम पार्टी से बाहर कर देंगे। कांग्रेस नेता ने इस बात पर भी जोर दिया कि जिसको भी टीआरएस के साथ समझौता करना है तो वह भाजपा में शामिल हो सकता है। उनकी नजरों में तेलंगाना में भाजपा ही चंद्रशेखर राव को समर्थन देती है। राहुल ने कहा मैंने पहले कहा था कि जो भी व्यक्ति कहता है कि टीआरएस के साथ समझौता होना चाहिए, उसे भाजपा में या टीआरएस में चले जाना चाहिए, क्योंकि समझौता अगर है तो भाजपा और टीआरएस का समझौता है।

इन हमलों के अलावा कांग्रेस नेता ने किसानों को लेकर कुछ बड़े ऐलान किए हैं। उन्होंने कहा तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनते ही किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा। राहुल गांधी ने यह भी दावा कर दिया है कि छत्तीसगढ़ में उनकी सरकार ने हर उस वादे को पूरा भी किया है। धान का दाम भी बढ़ाया गया है और कर्ज माफी भी हुई है। सीएम चंद्रशेखर राव पर सीधा हमला करते हुए राहुल गांधी ने उन्हें राजा बता दिया। साफ कर दिया गया कि वे जनता के सीएम नहीं है। वे सिर्फ वहीं करते हैं जो उनका मन करता है। उन्हें जनता की परेशानियों से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसे में राहुल गांधी मानते हैं कि तेलंगाना से टीआरएस को हटाने का काम सिर्फ कांग्रेस पार्टी कर सकती है। वे इस बात पर भी जोर दे रहे हैं कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बनाम टीआरएस की ही लड़ाई रहने वाली है।

ज्ञानवापी मस्जिद केस- कोर्ट ने सर्वे जारी रखने को कहा, अब नौ मई को होगी अगली सुनवाई

वाराणसी (ईएमएस)। बाबा विश्वनाथ की नगरी में उन्हीं के ज्योर्तिलिंग के निकट बनी ज्ञानवापी मस्जिद मामले में कोर्ट ने वकील द्वारा कमिश्नर को हटाने की दायर याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने सर्वे जारी रखने का आदेश देते फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए नौ मई की तारीख तय की है। कोर्ट के इस आदेश के बाद ज्ञानवापी मस्जिद के सामने भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

वकील वीएस रस्तोगी ने बताया कि आवेदन को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। उन्होंने बताया कि आयोग की कार्रवाई के बाद यदि कोई गलत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है या इसे समय से पहले प्रस्तुत किया जाता है, तो विपरीत पक्ष इस पर आपत्ति कर सकता है और अदालत इस पर विचार करेगी, लेकिन अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी के आवेदन का डीजीसी सिविल ने विरोध किया है। विदित हो कि अंजुमन इंतजामिया कमेटी के अधिवक्ता अधिवक्ता ने कोर्ट कमिश्नर के खिलाफ याचिका दायर की थी और सर्वे पर स्टे लगाने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने किसी भी तरह के स्टे से इन्कार कर दिया है।

ज्ञानवापी प्रकरण मामले में शनिवार को विपक्षी अधिवक्ता ने कोर्ट कमिश्नर की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए सिविल जज सीनियर डिविजन की अदालत ने उनके खिलाफ याचिका दायर की थी। अधिवक्ता ने अदालत से निवेदन किया था कि कोर्ट कमिश्नर निष्पक्ष तरीके से कमीशन की कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। शुक्रवार को वह विपक्ष की ओर से अधिवक्ताओं की बात को अनसुना भी की। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में शनिवार को कोर्ट में सुनवाई के दौरान विपक्षी अधिवक्ता अभयनाथ यादव व एकलाख अहमद ने अपनी याचिका में कहा कि सर्वे से पहले जिस भूमि के आराजी संख्या 9030 पर विग्रहों की वस्तुस्थिति देखी जानी है, उसकी वस्तु स्थिति पहले जांचनी चाहिए थी, लेकिन कोर्ट कमिश्नर ने ऐसा नहीं किया। कोर्ट कमिश्नर के आदेश में मस्जिद के अंदर प्रवेश कर सर्वे करने का कोई आदेश नहीं लिखा गया है फिर भी वह आमादा है। लिहाजा इन्हें हटाकर दूसरे अधिवक्ता के जरिए कमीशन की कार्रवाई कराई जाए।

एलपीजी दाम बढोतरी पर भड़की कांग्रेस, कहा- वापस हों बढी कीमत, 2014 के स्तर पर लाई जाए

(जम्मू) बार्डर पार से भारत में घुसने की फिराक में करीब 200 आंतकी

जम्मू (ईएमएस)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले सेना ने कश्मीर में बड़ी आतंकी घुसपैठ की आशंका जताई है। नॉर्दन आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी के शुक्रवार को कहा कि आतंकी घुसपैठ की घटनाओं में काफी तेजी से कमी आई है लेकिन घाटी के उस पार से करीब दो सौ आतंकी घुसपैठ की ताक में हैं। लाइन ऑफ कंट्रोल पर सुरक्षा के संबंध में पूछे गए सवाल में उन्होंने कहा कि एलओसी पर करीब दो सौ आतंकी भारत में घुसपैठ की ताक में हैं। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि घुसपैठ की किसी भी घटना को रोकने के लिए चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि घुसपैठ को रोकने के लिए रिजर्व पुलिस के जवानों को सेकेंड टायर ऑफ फिर्फेंस में तैनात किया गया गया ताकि किसी भी तरह की घुसपैठ को रोका जा सके। उन्होंने ये भी कहा कि पिछले बारह महीनों में एलओसी पर सिर्फ दो या तीन बार सीजफायर की घटना हुई है। उन्होंने ये भी बताया कि एलओसी के पार 6 बड़े आंतकी लॉन्च पैड और 29 छोटे आतंकी कैंप हैं। ये सभी आतंकी कैंप पाकिस्तानी सेना के कैंप के पास हैं। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाक सेना पर आतंकियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि पाकिस्तानी सेना और खूफिया एजेंसियां इन आंतकियों को हर संभव मदद दे रही है।

महंगाई के साथ युद्ध लड़ रहे हैं देश के नागरिक, उन्हें लाउडस्पीकर की चिंता : राउत

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना नेता संजय राउत ने महंगाई को लेकर केंद्र पर निशाना साधा है। राउत ने शनिवार को कहा कि महंगाई देश का सबसे बड़ा मुद्दा है, लेकिन इस पर न तो प्रधानमंत्री बात कर रहे हैं और न ही वित्त मंत्री। देश व महाराष्ट्र के भाजपा नेता भी इस पर मौन हैं। उन्हें सिर्फ इस बात की चिंता है कि महाराष्ट्र और पंजाब की पुलिस क्या कर रही है। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में शांति है, लेकिन कुछ नेता देश का माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन लोगों ने उन्हें मुंह तोड़ जवाब दिया है। इस संबंध में कोई नीति बननी चाहिए।

संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर का मुद्दा अब समाप्त हो चुका है। कानून के मुताबिक काम किया जा रहा है। लाउडस्पीकर के संदर्भ में पूरे देश में एक सर्वमान्य नीति बनाई जानी चाहिए। मनसे प्रमुख राज ठाकरे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर के मुद्दे की वजह से सबसे ज्यादा नाराजगी हिंदू समाज को है। हिंदू समाज में फूट डालने का प्रयत्न किया जा रहा है। संजय राउत ने कहा कि पुलिस के डर से सभी पॉलिटिकल लाउडस्पीकर गायब हो गए हैं। देश में कानून का राज है और उसी के अनुरूप काम हो रहा है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए संजय राउत ने कहा कि महंगाई अपने चरम पर है। आए दिन डीजल-पेट्रोल और एलपीजी सिलेंडर समेत तमाम जरूरी चीजों के दाम बढ़ते जा रहे हैं। बावजूद इसके भाजपा का एक भी नेता महंगाई जैसे अहम और जन सामान्य से जुड़े मुद्दे पर बात नहीं करता। उन्होंने कहा कि जिस तरह लाउडस्पीकर के मुद्दे पर बीजेपी नेता चिल्ला-चिल्ला कर बोलते हैं। उसी प्रकार उन्हें महंगाई के विषय में भी जनता के सामने बोलना चाहिए। प्रधानमंत्री को दूसरे देशों के बीच चल रहे युद्ध में ज्यादा दिलचस्पी है। भक्त इसी बात पर उनकी तारीफ कर रहे हैं। लेकिन देश के नागरिक महंगाई के साथ युद्ध लड़ रहे हैं। आखिर उनकी क्या गलती है?

दूसरी ओर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने नई चेतावनी दी है। उन्होंने पुणे के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर कहा है कि सभी मस्जिदों के मौलवी इस बात को लिखित में दें कि वे लाउडस्पीकर से अजान नहीं करेंगे। उन्होंने अपने पत्र में एक बार फिर कहा है कि यदि इसका पालन नहीं कराया जाता है, तो वह इस बार पुलिस स्टेशनों के सामने ही उडस्पीकरों से हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। गौरतलब है कि राज ठाकरे लाउडस्पीकर पर अजान के खिलाफ काफी मुखर हैं। वह इसे धार्मिक न मानकर सामाजिक मुद्दा बता रहे हैं और महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार से सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कराने के लिए कह रहे हैं।

राज ठाकरे की धमकी- मस्जिदों से नहीं उतरे लाउडस्पीकर तो जो होगा उसकी जिम्मेदार MNS नहीं होगी

मुंबई । महाराष्ट्र से उपजे लाउडस्पीकर विवाद (ईंप्ट्ट थ्दल्र्ल्वैं दै) में अब मनसे प्रमुख राज ठाकरे (श्ण्ए ण्प्ण्ॅ ऊ्र्प्र्वि) ने पुणे के पुलिस आयुक्त को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख ने कहा है कि सभी मौलवी इस बात का लिखित तौर पर बयान दें कि वो लाउडस्पीकर से अजान नहीं करेंगे। उन्होंने अपने पत्र में एक बार फिर कहा है कि यदि उन्होंने इसको नहीं माना तो वो इस बार पुलिस स्टेशनों के सामने ही उडस्पीकरों से हनुमान चालिसा (ंहिर्ल्ंह ीर्प्ंर्वे) का पाठ करेंगे। राज ठाकरे ने यहां तक कहा है कि यदि पूरे राज्य में मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं उतारे गए तो इस परिणाम जो होगा, उसके लिए उनकी पार्टी जिम्मेदार नहीं होगी।

महाराष्ट्र से उपजा लाउडस्पीकर विवाद अब देश के दूसरे राज्यों में भी पहुंच चुका है। महाराष्ट्र में ही इस मुद्दे पर काफी कुछ हो चुका है। इससे पहले राज ठाकरे की तरफ से 3 अप्रेल तक की समय सीमा दी गई थी। इसमें कहा गया था कि यदि 4 अप्रेल को किसी भी मस्जिद से लाउड स्पीकर पर अजान हुई तो वो इसका जवाब वहां पर हनुमान चालिसा का पाठ कर देंगे। उन्होंने राज्य के सीएम उद्धव ठाकरे के घर के बाहर हनुमान चालिसा का पाठ करने का भी एलान किया था।

मनसे प्रमुख के इस अल्टीमेटम को देखते हुए राज्य में सभी धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद किया गया था। साथ ही मनसे प्रमुख और राज्य के सीएम के घर के बाहर सुरक्षा कड़ी की गई थी। राज ठाकरे ने इस संबंध में पिछले दिनों एक ओपन लेटर भी लोगों को लिखा था जिसमें कहा गया था कि कानून सभी के लिए एक समान होना चाहिए। इसमें आरोप लगाया गया था कि मुस्लिम बड़े मौकों पर सड़कों पर नमाज अदा करते हैं जिससे लोगों को परेशानी होती है। वहीं हिंदुओं के लिए कई तरह के प्रतिबंध लगाए जाते हैं।

उन्होंने बाल ठाकरे का एक पुराना वीडियो भी ट्विटर पर पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों से होने वाले अजान पर कड़ी आपत्ति जताई थी। बता दें कि लाउडस्पीकर के मुद्दे पर जहां एक तरफ महाराष्ट्र की सरकार अडिग है वहीं दूसरी तरफ भाजपा और मनसे लगातार हमलावर होते दिखाई दे रहे हैं।

2500 करोड़ में कर्नाटक का सीएम बनाने की की गई थी पेशकश : यतनाल

बेलगावी (ईएमएस)। कर्नाटक के भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने दावा किया है कि कुछ लोगों ने उनसे संपर्क कर 2,500 करोड़ रुपये में राज्य के मुख्यमंत्री पद की पेशकश की है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि धोखाधड़ी करने वाली कुछ कंपनियां ऐसा करती हैं। उन्होंने कहा राजनीति में एक बात जान लीजिये, झांसे में मत आइए। राजनीति में कई चोर मिलेंगे जो टिकट दिलाने, दिल्ली ले जाने, सोनिया गांधी, जेपी नड्डा से मिलवाने की बात कहते हैं।

उन्होंने मेरे जैसे लोगों के साथ ऐसा किया है। कुछ लोगों ने दिल्ली से मेरे पास आकर कहा कि वे मुझे मुख्यमंत्री बनवाएंगे और मुझे केवल 2500 करोड़ रुपये की व्यवस्था करनी है। भाजपा विधायक ने एक कार्यक्रम में कहा कि उन्होंने उनके पास आए लोगों से पूछा कि क्या वे जानते हैं कि 2,500 करोड़ रुपए कितने होते हैं और क्या इन्हें एक कमरे या गोदाम में रखा जा सकता है।

विधायक ने कहा कि धोखाधड़ी करने वाली ऐसी कुछ कंपनियां हैं जो टिकट दिलवाने का दावा करती हैं। विजयपुरा शहर के विधायक ने कहा लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह, अरुण जेटली के साथ अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में काम करने वाला व्यक्ति होने के नाते मुझसे कहा गया कि मुझे मुख्यमंत्री बनाया जाएगा जिसके लिए मुझे 2,500 करोड़ रुपये की व्यवस्था करनी है। उन्होंने मुझसे कहा कि वे मुझे नड्डा और अमित शाह के घर ले जाएंगे।

उन्होंने कहा मैं किसी से कह रहा था कि विधानसभा चुनाव आ रहा है और ऐसे लोग आते रहेंगे। यतनाल के दावों पर प्रतिक्रिया करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने मांग की कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और इस पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मामला दर्ज कर जांच होनी चाहिए।

कार्टून कोना

नियत समय से 10 दिन पहले मानसून की आहट, 21 मई तक केरल तट से टकराने की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। भीषण गर्मी से जूझ रहे देशवासियों के लिए सुखद खबर आ रही है। केरल में मानसून 20 मई के बाद किसी भी वक्त आ सकता है, जो इस बार अपने समय से करीब 10 दिन पहले दस्तक देगा। केरल में मानसून का आगमन सामान्यत: 1 जून के आसपास होता है। आईएमडी ने इस आशय के संकेत पुणे स्थित आईआईटीएम में विकसित मल्टी-मॉडल एक्सटेंडेड रेंज प्रेडिक्शन सिस्टम (एमएमईआरपीएस) का उपयोग करके अपने नवीनतम एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट (ईआरएफ) के जरिए दिए हैं।

आईआईटीएम के एक विशेषज्ञ के मुताबिक, '1 मई से 5 जून के लिए 4 सप्ताह की विस्तारित सीमा के पूर्वानुमान के अनुसार, केरल में मानसून की शुरुआत 20 मई के बाद कभी भी हो सकती है। 28 अप्रैल को जारी पिछले ईआरएफ में भी 19-25 मई की अवधि में केरल में वर्षा की गतिविधियों में वृद्धि का अनुमान लगाया गया था। यदि ईआरएफ अगले सप्ताह भी 20 मई के बाद केरल में इसी तरह की स्थिति दिखाता है, तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि इस तटीय राज्य में मानसून की शुरुआत समय से पहले होगी।'

भारत मौसम विभाग का नवीनतम ईआरएफ मई 5-11 (सप्ताह1), मई 12-18 (सप्ताह 2), मई 19-25 (सप्ताह 3) और मई 26-जून 1 (सप्ताह 4) के लिए है। आईआईटीएम के विशेषज्ञ के मुताबिक, अभी के लिए, केरल में मानसून के जल्द शुरुआत के संकेत दिखाई दे रहे हैं। पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान बनने जा रहा है। इससे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर मानसून के प्रवाह को मजबूत करने में मदद मिलने की संभावना है। नवीनतम ईआरएफ के अनुसार, इस वेदर सिस्टम से तीसरे सप्ताह के आसपास मानसून के प्रवाह में बाधा पड़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि तब तक यह अपना प्रभाव खो चुका होगा।'

मिनिस्ट्री ऑफ अर्थ साइंसेज के पूर्व सचिव डॉ. एम राजीवन के मुताबिक, 'ईआरएफ की सटीकता तीसरे और चौथे सप्ताह में कम हो जाती है, लेकिन यह अब भी इंगित करता है कि एक बार जब चक्रवात भारतीय मुख्य भूमि से दूर चला जाता है, तो वह मानसून की गति बढ़ा सकता है और इसकी धारा धीरे-धीरे केरल तक पहुंच सकती है। इस प्रकार प्रारंभिक संकेत दिखाते हैं कि केरल में मानसून की शुरूआत सामान्य तिथि 1 जून से थोड़ी पहले हो सकती है।'

चित्तौड़गढ़ विस्फोटक मिलने के मामले में एनआईए ने एमपी में 11 ठिकानों पर की छापामार कार्रवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में विस्फोटकों की बरामदगी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एमपी के रतलाम जिले में 11 ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की है। यह मामला 30 मार्च को चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा के वंडर चौराहा में तीन आरोपियों जुबैर, सैफुल्ला उर्फ सैफू खान और अल्तमश खान को विस्फोटक और अन्य आईईडी बनाने की सामग्री के साथ गिरफ्तार करने से संबंधित है। प्रारंभ में, इस संबंध में राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी और बाद में 20 अप्रैल को एनआईए ने जांच अपने हाथ में ले ली। जांच के दौरान तीन आरोपियों इमरान खान, आमीन खान उर्फ अमीन पवाड़ा, मोहम्मद आमीन पटेल उर्फ आबिद को 3 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था और आरोपी मजहर खान को मामले में 7 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। संदिग्धों के परिसरों में की गई तलाशी के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और दस्तावेजों सहित आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। मामले में आगे की जांच जारी है।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने 10 मई तक स्थगित की बग्गा के मामले में सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में भाजपा नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा की गिरफ्तारी को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई टल गई है। उच्च न्यायालय ने मामले में कार्यवाही मंगलवार 10 मई तक के लिए स्थगित कर दी है। शनिवार को इस अहम सुनवाई में हरियाणा और दिल्ली पुलिस की ओर से एफिडेविट दाखिल करके पूरे मामले पर अपना जवाब देना था। सुनवाई के दौरान पंजाब एडवोकेट जनरल समेत दोनों पक्षों के लोग शामिल हुए। शुक्रवार को ही दिल्ली और हरियाणा पुलिस हाई कोर्ट को बता चुकी है कि उनकी कस्टडी में कोई भी पंजाब पुलिस का अधिकारी या कर्मचारी नहीं है। वहीं आज की सुनवाई सुनवाई में दिल्ली और हरियाणा पुलिस को बताना था कि किन हालातों में तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को गिरफ्तार करके ले जा रही पंजाब पुलिस की टीम को कुरुक्षेत्र के नजदीक रोका गया और फिर दिल्ली पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी सिंह ने पुलिस बलों के दुरुपयोग के आरोपों के खिलाफ पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा गुंडों की पार्टी है। बग्गा इसका एक उपयुक्त उदाहरण है। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं, जिसमें अतिचार और परेशान करना शामिल है। भाजपा ने बग्गा जैसे गुंडे को बचाने के लिए दो राज्यों की पुलिस का दुरुपयोग किया।

पंजाब सरकार ने आज पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में दो याचिकाएं दाखिल की हैं। एक में दिल्ली पुलिस और हरियाणा पुलिस को मामले में पक्षकार बनाने की मांग की गई है। दूसरी याचिका में मांग की गई है कि शुक्रवार को हरियाणा में सामने आई घटनाओं की सीसीटीवी फुटेज रिकॉर्ड में रखी जाए।

होल्डर और आवेश की गेंदबाजी के दम पर लखनऊ ने कोलकाता को 75 रनों से हराया

नई दिल्ली इंडियन प्रीमियर लीग के 53वें मैच में एमसीए के मैदान पर लखनऊ के गेंदबाजों के सामने कोलकाता की टीम केवल 101 रन बनाकर ढेर हो गई और लखनऊ ने इस मैच को 75 रनों से जीत लिया। कोलकाता की तरफ से जेसन होल्डर और आवेश खान ने 3-3 विकेट लेकर कोलकाता को संभलने का मौका नहीं दिया। कोलकाता के सामने 177 रनों का लक्ष्य था लेकिन टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और केवल 23 रन के स्कोर पर उसके 3 खिलाड़ी आउट हो गए।

केंद्रीय कर्मचारियों व पेंशनरों की हो सकती है बल्ले-बल्ले, सरकार डीए में फिर कर सकती है बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय कर्मचारियों व पेंशनरों की बल्ले-बल्ले हो सकती हैं। केंद्र सरकार एक बार फिर सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ा सकती है। एआईसीपीआई (ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइज इंडेक्स) में लगातार 2 महीने कमी आने के बाद मार्च 2022 में इसमें 1 फीसदी की वृद्धि हुई है इसलिए सरकार द्वारा डीए बढ़ाए जाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। सरकार जुलाई में इसकी समीक्षा करेगी। हालांकि, अभी अप्रैल, मई व जून के एआईसीपीआई आंकड़े भी आने हैं। खबर के मुताबिक, सरकार जुलाई में 3 फीसदी तक डीए बढ़ा सकती है। गौरतलब है कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए हर साल जनव

जन हितैषी

जल संकट

गर्मी के मौसम के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से जल संकट की खबरें सामने आने लगती हैं। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है। राजस्थान के कोटा शहर का उदाहरण ही लें। यह शहर चंबल नदी के किनारे बसा है। लेकिन इस शहर की अनेक बस्तियों में पानी की किल्लत हो गई है। स्थिति यह है कि कई बस्तियों में तो नलों से बूंद-बूंद टपकने वाले पानी के सहारे अपनी जरूरत पूरी करने के लिए लोगों को रात-रात भर जागना पड़ता है। पिछले दिनों आई एक रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान के हाड़ौती अंचल में भूजल पाताल तक पहुंच गया है। पश्चिमी राजस्थान में मरुस्थल है और वहां पानी का संकट नई बात नहीं है। लेकिन हाड़ौती अंचल राजस्थान के जिस दक्षिण-पूर्वी हिस्से में है, उसे सरसब्ज इलाके के तौर पर जाना जाता है। चंबल, कालीसिंध, पार्वती, परवन, आहू, ताकली, उजाड़ जैसी नदियों के अलावा इस अंचल में एक दर्जन छोटी या सहायक नदियां बहती हैं। बरसात के दिनों में जब इन नदियों में उफान आता है, तब इनमें होने वाली पानी की आवक का पता चलता है। इसके बावजूद यदि इलाके में भूजल का स्तर पाताल में पहुंच गया है और लोगों को पानी की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है, तो इसका अर्थ केवल यही है कि हम पानी के प्रबंधन में कहीं पिछड़ गए हैं। हाड़ौती एकमात्र उदाहरण भर है, देश के ज्यादातर हिस्सों में जलसंकट की कमोबेश यही कहानी है। महाभारत में कहा गया है- 'अति परिचयाद् अवज्ञा भवति।ळ सहजता से उपलब्ध हो जाने वाली वस्तुओं के वास्तविक मूल्य का अनुमान हम आसानी से नहीं लगा सकते, भले ही वे जीवन के लिए कितनी ही उपयोगी क्यों न हों। पानी के साथ भी ऐसा ही हुआ है। पृथ्वी की सतह का दो तिहाई हिस्सा पानी से भरा है। इसलिए कई लोगों को लगता है कि जब चारों तरफ इतना पानी है, तो फिर चिंता की क्या बात? शायद लोगों का यही सोच है। लेकिन ऐसे लोग इसे भूल जाते हैं कि पृथ्वी की सतह पर मौजूद कुल पानी में से दो प्रतिशत से भी कम मनुष्य के उपयोग लायक है। आज भी पीने के पानी के लिए दुनिया का बड़ा हिस्सा बरसात या नदियों के प्रवाह पर ही निर्भर है। विज्ञान ने हमें भले ही उन्नति के नए सोपान सौंपे हैं, लेकिन आज तक दुनिया की किसी प्रयोगशाला में मनुष्य की जरूरतों को पूरा करने लायक पानी नहीं बनाया जा सका है। इजराइल जैसे देशों ने समुद्री पानी को पीने के योग्य बनाने का दावा किया है, लेकिन उनकी तकनीक या तो इतनी महंगी है या इतनी अप्रचलित है कि दुनिया में यह चलन लोकप्रिय नहीं हो पाया। ऐसे में जरूरी यह था कि हम उन संसाधनों को बचाएं जो हमें साल भर तक पीने का पानी मुहैया कराते हैं। नदियों के अलावा झीलों, तालाबों, कुओं, बावडियों, टांकों, जोहड़ों जैसे जल संसाधनों को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। पूर्वज जानते थे कि पानी जीवन की सबसे बड़ी जरूरत है और इसके संरक्षण की लापरवाही पीढियों के अस्तित्व को संकट की ओर धकेल सकती है। इसीलिए प्राचीन भारतीय मान्यताओं में किसी जल स्त्रोत के निर्माण को बहुत पुण्यदायक माना गया। राजाओं, सेठों और सामथ्र्यवान लोगों ने अपने जीवन के किसी महत्त्वपूर्ण अवसर की स्मृति को अक्षुण्ण रखने के लिए भव्य जल संसाधनों का निर्माण करवाया। भारत की सबसे भव्य बावडियों में एक 'रानी जी की वावळ गुजरात के अन्हिलवाड़ा पाटन में स्थित है। राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में इस बावड़ी का निर्माण उनकी रानी उदयामति ने करवाया था। यह बावड़ी अब विश्व विरासत में शामिल है। मध्यप्रदेश की राजधानी में स्थित भोपाल के प्रसिद्ध बड़े तालाब का निर्माण परमार राजा

भोज ने 11वीं सदी में एक चर्म रोग से छुटकारा पाने के उपक्रम में करवाया था। युद्ध के दौरान अपनी प्रजा और सेना को शत्रु से बचाए रखने के लिए प्राचीन शासक किलों और दुर्गों में विशेष जलाशय बनवाते थे। चित्तौड़ के विश्व प्रसिद्ध गढ़ में चौरासी जलाशय थे। राजस्थान की जयसमंद और राजसमंद जैसी विशाल झीलें अपने अपने दौर में अकाल के दौरान लोगों को रोजगार देने की योजना के तहत बनवाई गई थीं। देश के कुछ हिस्सों से ऐसी खबरें सामने आई हैं, जिनमें बताया गया है कि एक छोटा-सा घड़ा पानी भरने के लिए भी स्त्रियों और बच्चों को अपनी जान जोखिम में डाल कर गहरे कुएं में उतरने को मजबूर होना पड़ता है और इस कुएं तक पहुंचने के लिए भी उन्हें अपने घर से बहुत दूर चिलचिलाती धूप में जाना पड़ता है। पानी को लेकर होने वाले संघर्ष ऐसे ही कारणों से उग्र और हिंसक होते हैं। ऐसे में आवश्यक है कि हम पानी के सदुपयोग के और वर्षा जल को संग्रहित करने के महत्व को समझें।

मदर्स डे

मेरी माँ श्रीमती समुंद्री बाई जैन के प्रति विनम्र श्रन्धांजलि .मुझे इस बात का बहुत दुःख हैं की मैं अपने माता- पिता की मृत्यु के समय नौकरी के कारण समय पर उपस्थित न होकर, कोई सेवा नहीं कर पाया था .इस हेतु मृत आत्माओं से उत्तम क्षमा भाव रखते हुए ,सभी जनों से निवेदन हैं की हमारे जन्मदाताओं की उपेक्षाएँ कभी न करे .यह बहुत बड़ा अपराध बोध होता हैं जिसकी कसक जिंदगी भर रहती हैं .माँ बाप की सेवा ईश्वर सेवा से भी बढ़कर होती हैं .

मदर्स डे को यूरोप में मदरिंग संडे भी कहा जाता है मदर्स डे को यूरोप में मदरिंग संडे भी कहा जाता है

मदर्स डे को मां का दिन कहा जाता है. ये दिन मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है. इस साल ये खास दिन 8 मई को सेलिब्रेट किया जायेगा. वैसे तो साल का हर दिन मां के नाम होता है लेकिन खासतौर पर इस दिन लोग अपनी मां को स्पेशल फील कराने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं. वहीं आजकल शहरों से लेकर गांवों तक लगभग सभी जगह लोग अपने-अपने अंदाज में मदर्स डे मनाते हैं.

जिंदगी के कई रिश्तों के बीच मां के साथ एक बच्चे का सबसे खास रिश्ता होता है. बच्चे को जन्म देने से लेकर हर सुख और दुख में मां ही है, जो हमेशा बच्चे के साथ खड़ी मिलती है. वैसे तो किसी के लिए भी लाइफ में मां की अहमियत को शब्दों में बयान कर पाना काफी मुश्किल होता है. बावजूद इसके साल का एक दिन मातृत्व के महत्व को सौंप दिया जाता है, जिसे हम मदर्स डे के रूप में मनाते हैं. इस साल मदर्स डे 8 मई को मनाया जायेगा.

मई महीने के दूसरे रविवार को भारत सहित दुनिया के कई देशों में मदर्स डे मनाया जाता है. हालांकि, किसी एक दिन को मां के नाम करना काफी नहीं होता है. मगर, सोशल मीडिया और इंटरनेट के इस दौर में मदर्स डे मनाने का प्रचलन काफी बढ़ गया है. जिसके चलते कई लोग मदर्स डे काफी धूमधाम से मनाते हैं.

मदर्स डे की शुरूआत एना जॉर्विस नाम की एक अमेरिकन महिला ने की थी. दरअसल, एना का अपनी मां के तरफ बेहद खास लगाव था. एना अपनी मां से काफी ज्यादा इंस्पायर हुआ करतीं थीं. हालांकि, बाद में अपनी मां की मृत्यु के बाद एना ने शादी न करने का फैसला लेते हुए अपना जीवन अपनी मां के नाम करने का संकल्प लिया. इसी कड़ी में अपनी मां को सम्मान देने के लिए एना ने मदर्स डे की शुरूआत की. इसीलिए ईसाई समुदाय के कई लोग इस दिन को वर्जिन मेरी के नाम से भी पुकारते हैं. वहीं यूरोप में इसे मदरिंग संडे कहा जाता है.

मई के दूसरे रविवार को क्यों मनाते हैं

एना जॉर्विस ने मदर्स डे की नींव जरूर रखी लेकिन औपचारिक रूप से मदर्स डे की शुरूआत 9 मई 1914 को अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति वुड्रो विल्सन ने की थी. इस दौरान अमेरिकी संसद में कानून पास कर हर साल मई महीने के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने का एलान किया गया. तब से अमेरिका, यूरोप और भारत सहित कई जगहों पर मदर्स डे मनाया जाने लगा. वहीं दुनिया के कई देशों में मदर्स डे मार्च महीने में भी मनाया जाता है.

मदर्स डे का महत्व

मां के महत्त्व को समझते हुए मदर्स डे का सेलिब्रेशन हर कोई अपने अनोखे अंदाज में करता है. खासकर भारत में बच्चे अपनी मां को स्पेशल फील कराने के लिए कुछ न कुछ खास करने का प्लान जरूर बनाते हैं. कुछ लोग इस दिन मां को घर के कामों से छुट्टी देकर बाहर घूमने के लिए भेजते हैं, तो कुछ लोग मां को उनका फेवरेट तोहफा या ग्रीटिंग्स देकर मदर्स डे विश करते हैं. वहीं सोशल मीडिया पर भी मदर्स डे के कई सारे कोट्स शेयर किए जाते हैं.

मौत के लिए बहुत रास्ते हैं पर,जन्म लेने के लिए केवल माँ है..!!

एक ऐसा डॉक्टर जिसे डिग्री की ज़रुरत नहीं होती, वो है माँ..!! हैप्पी मदर्स डे

ऐ अँधेरे देख ले मुँह तेरा काला हो गया,माँ ने आँखें खोल दीं घर में उजाला हो गया..!!

सबने बताया कि आज मां का दिन है,कौन बताएगा कि वो कौन सा दिन है जो मां के बिन है..!!

जिस घर में ?माँ? की कदर नहीं होती,उस घर में कभी बरकत नहीं होती..!! हैप्पी मदर्स डे

माँ बाप का दिल जीत लो कामयाब हो जाओगे, वरना सारी दुनिया जीत कर भी हार जाओगे..!!

कोई कहता है अच्छे से जाना, कोई कहता है खाना टाइम पर खाना, एक माँ ही है मेरी जो कहती है कि बेटा जल्दी से घर आ जाना..!!

मेरी ख्वाहिश है की मैं फिर से फरिश्ता हो जाऊँ, माँ से इस तरह लिपटूँ की बच्चा हो जाऊँ..!! हैप्पी मदर्स डे

माँ के लिए क्या शेर लिखूं, माँ ने मुझे खुद शेर बनाया है..!!

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

सागर भी गहरा है माँ का वासत्सल्य

(मातृ दिवस (मदर्स डे) पर विशेष...)

भारतीय संस्कृति में माँ शब्द में एक ऐसा अपनापन है। जिसमें ममता की गहराई है, वात्सल्य का ऐसा अमूल्य खजाना है, जो दुनिया में कहीं अन्यत्र नहीं मिल सकता। इसीलिए हमारे महापुरुषों ने माँ को भगवान का दर्जा दिया है, वहीं किसी भी बच्चे के लिए प्रथम गुरु भी केवल माँ ही है। वास्तव में आज के वातावरण में भी माँ की अद्भुत ममता का कोई मुकाबला नहीं है। कहते हैं किसी व्यक्ति के पास दुनिया की सारी दौलत है और माँ नहीं है, तो वह दुनिया का सबसे बड़ा गरीब आदमी है। दुनिया में धन तो परिश्रम करके भी कमाया जा सकता है, लेकिन माँ का प्यार पैसे से कभी नहीं खरीदा जा सकता है।

कहते हैं भगवान हर समय हर जगह उपलब्ध नहीं हो सकता हैं, इसी लिए भगवान ने माँ को बनाया हैं। हालांकि माँ की महानता को प्रदर्शित करते हुए बहुत कुछ लिखा जा चूका है, पढाया जा चुका हैं पर फिर भी माँ की महिमा इतनी अपरंपार है कि इसके बाद भी सब कम ही लगता हैं। वास्तव में माँ की महानता के लिए शब्द दे पाना अत्यंत ही दुष्कर कार्य है। भारत में माँ को पूजने के लिए एक दिन नहीं, पूरी जिंदगी लोग लगा देते हैं। कहा जाता है कि माँ की ममता अनमोल है, उसकी कीमत कोई नहीं चुका सकता है। जन्म से पूर्व भी माँ हमको नौ महीने तक संभाल कर रखती है।

यत्र नार्यन्तु पूज्यते, रमन्ते तत्र देवता। जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। यहां देवता का आशय किसी मूर्ति या चित्र से नहीं है, बल्कि एक ऐसे वातावरण से है, जो भारतीय वातावरण से ओतप्रोत है। जहां ऐसी मानसिकता का आंतरिक बोध है जो समस्त भूमंडल पर नारी की शक्ति को प्रकट करती हैं। वास्तविकता यह है कि नारी भगवान द्वारा की गई ऐसी रचना है, जिसके हृदय में सूर्य जैसा तेज, समुद्र जैसी गहरी गंभीरता, मन को स्नेह भाव सिक्त करने वाली चन्द्रमा जैसी शीतलता और पृथ्वी जैसी सहनशील करने वाली क्षमता है। इसलिए भारतीय संस्कृति में नारी का सर्वोच्च स्थान है। कहने का तात्पर्य यही है कि नारी ही शक्ति है और नारी ही नारायणी है।

वर्तमान समय में घर का उचित रूप से कामकाज संभालने वाली नारी दोहरी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है। अपने कुशल प्रबंधन के चलते नारी इस भूमिका में अपनी सार्थकता को बेहतर तरीके से प्रमाणित करती है। कहा जाता है किसी भी व्यक्ति की प्रथम गुरु उसकी माँ होती है। किसी व्यक्ति में जो भाव और संस्कार माँ देती है, वह उसके सम्पूर्ण जीवन का महत्वपूर्ण आधार होती है। यह भाव ही व्यक्ति के जीवन की दिशा तय करते हैं। कहते हैं कि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं, इस मामले में माँ की बड़ी भूमिका होती है। माँ चाहे तो अपने बच्चों का भविष्य बना सकती है, चाहे तो बिगाड़ सकती है। इसलिए किसी भी व्यक्ति के लिए मां का स्थान पूजा के स्थान से कम नहीं होता। जिसके मन में माँ या नारी के प्रति श्रद्धा भाव रहता है, उसके जीवन में समाधान की राह प्रशस्त होती जाती है।

महिलाओं के बारे में यह कहना किसी प्रकार की अतिशयोक्ति नहीं है कि नारी समाज की शिल्पकार होती है। वह परिवार और समाज को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का अभूतपूर्व सामर्थ्य भी रखती है। आज परिवार में जो वातावरण दिखाई देता है, उसे बनाने में नारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह सर्वथा प्रामाणिक तथ्य है कि जब हम एक आदमी को शिक्षित करते हैं तो मात्र एक व्यक्ति ही शिक्षित होता है, लेकिन जब आप किसी नारी को शिक्षित करते है तो एक पूरी पीढ़ी को तो शिक्षित किया ही जाता है, बल्कि पूरे वातावरण में शिक्षा की सुरभि को प्रवाहित करते हैं। कहा जाता है कि जब आसपास के वातावरण में शिक्षा की सुगंध प्रसारित होती है तो वहां निवास करने वाले व्यक्ति सुख और शांति के साथ जीवन यापन करते हैं।

वर्तमान में महिलाओं ने जिस शक्ति का अहसास कराया है, वह अतुलनीय है। हालांकि भारत में नारी की महत्ता को किसी भी जमाने में कम नहीं माना गया। पुरातन काल में भी भारतीय नारी ने पुरुषों के उत्थान में कदम कदम पर सहारा दिया है। जहां तक आध्यात्मिक और धार्मिक पक्ष की बात है तो यही कहा जाता है कि पुरुष यदि शिव है तो नारी उसकी शक्ति है। सीता हैं तो राम है, राधा है तो कृष्ण है। महिला भगवान से भी बड़ी है। तभी तो दोनों के नाम का एक साथ उच्चारण करने पर नारी का नाम पहले आता है। माँ के उपकारो का वर्णन करना तो असंभव है।

हम यह भली भाँती जानते हैं कि माँ बाप ने हमें आज इस लायक बनाया है, माँ नहीं होती तो हम इस धरती पर भी नहीं होते। लेकिन वर्त्तमान में हम माँ बाप की सेवा से विमुख होते जा रहे हैं। देश में वृद्धाश्रम में अनेक बुजुर्ग अपने बच्चों की अकर्मण्यता को दिखा रहे हैं, इसके बाद भी माँ के दिल में बच्चे के लिए जगह होती है। यही होता है माँ का रूप।

(लेखिका-डॉ. वंदना सेन / ईएमएस)

जीवन का सार होते हैं मृत्यु के समय के अंतिम शब्द

आपराधिक न्याय शास्त्र में मरणासन्न व्यक्ति की गवाही को बहुत महत्व दिया जाता है। सामान्य रूप से यह माना जाता है कि मरता हुआ व्यक्ति झूठ नहीं बोलता। इसे न्यायिक भाषा में मरणासन्न कथन या डाइंग डिक्लेरेशन कहते हैं। यह तो हुई मरने के कुछ समय पूर्व की बात, जब व्यक्ति मरणासन्न तो है परंतु इतने होशो-हवाश में है कि वह सोच सकता है, घटना का वर्णन कर सकता है और बोल सकता है। परंतु इसके बाद की भी एक अवस्था है जब प्राण निकलने को ही होते हैं तब वह न सोच सकता है और न लम्बा वर्णन कर पाता है। तब मुँह से कुछ ही शब्द निकल पाते हैं। इन शब्दों का अध्यात्म की दृष्टि से बड़ा महत्व है। यह शब्द उस व्यक्ति के जीवन का निचोड़ होते हैं। विशेष बात यह है कि यह अंतिम शब्द सोच-विचारकर नहीं बोले जाते स्वतः स्फूर्त होते हैं इसलिए इस समय झूठ बोलना संभव नहीं होता।

इसे समझने के लिए एक कथा लेते हैं। एक राजा के दरबार में एक बहुभाषविद् आया। वह फर्राटे से कई भाषाएँ बोल सकता था। उसने चुनौती दी कि कोई उसकी मातृभाषा नहीं बता सकता। चुनौती स्वीकार कर अनेक लोगों ने उससे प्रश्न किये, चर्चा की, शायद मातृभाषा का अनुमान लग जाए। पर सब व्यर्थ। सभी भाषाओं पर उसका समान अधिकार था। अंत में राजा के बुद्धिमान मंत्री ने अचानक उसे सीढियों से धक्का दे दिया। इस आकस्मिक स्थिति के लिए वह तैयार नहीं था। इस समय उसके मुँह से जिस भाषा के शब्द निकले उसे सुनकर मंत्री ने उसकी मातृभाषा बता दी और शर्त जीत ली। आकस्मिक स्थिति में जब सोचने का समय नहीं होता, बुद्धि काम नहीं करती तब शब्द से, कर्म से, संकेत से वही निकलता है जो हमारे अस्तित्व का अंश होता है। मातृभाषा हमारे व्यक्तित्व में रची-बसी होती है, हमारे अस्तित्व का अंग बन जाती है इसलिए आकस्मिक स्थिति में शब्द उसी भाषा में निकलते हैं।

जीवन की सबसे आकस्मिक घटना मृत्यु होती है। जन्म होते ही उसके दूसरे पहलू - मृत्यु - का भी जन्म हो जाता है। गीता में कृष्ण कहते हैं जिसका जन्म हुआ है उसकी मृत्यु और जिसकी मृत्यु हुई है उसका जन्म निश्चित है (जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च)। महाभारत में जब यक्ष ने युधिष्ठर से पूछा कि जीवन का सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है तो युधिष्ठर ने कहा कि यह सुनिश्चित है कि हर व्यक्ति को मरना है पर हर व्यक्ति यह विश्वास करता है कि उसे अभी नहीं मरना है। मान लीजिए कि किसी शहर की जनसंख्या के अनुपात में प्रतिदिन औसतन 10 व्यक्तियों की मृत्यु होती है। इसे किसी शहरवासी को बताएँगे तो वह इसे स्वीकार कर लेगा कि औसतन 10 व्यक्ति कल भी मरेंगे और परसों भी। परंतु उसे दृढ़ विश्वास होता है कि मैं उन 10 में शामिल नहीं हूँ। परंतु कभी न कभी तो उन 10 में उसकी गिनती होना ही है। इसलिए जब भी मृत्यु आती है तो वह उसके विश्वास के विपरीत आकस्मिक घटना होती है। इस आकस्मिक स्थिति में निकले शब्द उस सबका सार होते हैं जो उसने अपने पूरे जीवन में सोचा और किया है।

गीता भी इस बात को प्रमाणित करती है। कृष्ण कहते हैं कि जो व्यक्ति अंतिम समय में मेरा स्मरण करता हुआ शरीर त्यागता है वह मेरे स्वरूप में मिल जाता है (गीता 8.5)। एक अन्य श्लोक में कहते हैं कि जो एकाक्षर ब्रह्म 'ॐ' का उच्चारण और मेरा स्मरण करते हुए देह त्यागता है वह सर्वोच्च गति को पा जाता है (गीता 8.13)। परंतु अंतिम समय में सोच-विचारकर या बुद्धि से ऐसा स्मरण या उच्चरण करना संभव नहीं है। इसलिए गीता में कहा है कि 'जिस रूप में व्यक्ति जीवन भर लीन रहा है, वही रूप देहत्याग के समय स्मरण में आता है और वह उसे ही प्राप्त करता है (गीता 8.6)। तुलसीदास जी कहते हैं कि जन्म-जन्मांतरों तक मुनि प्रयत्न करते हैं परंतु अंत समय में राम का नाम मुख पर नहीं आता - जन्म जन्म मुनि जतनु कराहीं। अंत राम कहि आवत नाहीं। यहाँ भी वही बात आती है कि प्रयत्न तो किया परंतु प्रयत्न इतना नहीं था कि वह उसके अस्तित्व में समा जाता।

अभी तो हम अपने आप को अपने शरीर, पद, धन-सम्पत्ति, परिवार के रूप में जानते हैं। यही हमारे अस्तित्व का आधार हैं। इसलिए मरते समय कोई संपत्ति की चिंता करता है, कोई पुत्र को पुकारता है, कोई मरने से पूर्व दुश्मन से बदला लेने का भाव रखता है। रावण भी मरते समय गरजता है, राम कहाँ है मैं ललकारकर उसे युद्ध में मारूँगा – कहाँ राम रन हतौं पचारी। मृत्यु के आकस्मिक संकट की अवस्था में व्यक्ति की कोई चालाकी नहीं चलती। जो अंदर होता है वही अंत समय में बाहर आता है। गांधीजी को गोली लगी तो उनके अंतिम शब्द थे – 'हे राम'। इससे हम गांधीजी की उच्च आध्यात्मिक अवस्था का अनुमान लगा सकते हैं।

अंतिम समय तो परीक्षा की घड़ी है जिसमें वही उत्तर लिखेंगे जो जीवन भर पढ़ा होगा। वह कौन सा तरीका है जिससे उत्तर ठीक लिखा जाए ? इसका उत्तर है ईश्वर का सतत स्मरण, अपने कार्यों को ईश्वर के निमित्त करना और ईश्वर को समर्पण करना। परंतु दुनिया की झंझटों में ईश्वर की याद आएगी कैसे ? श्री रामकृष्ण परमहंस कहते हैं कि जैसे दाँत के दर्द में व्यक्ति अपना दुनियावी कार्य तो करता है पर बीच-बीच में टीस याद दिलाती रहती है कि दाँत में पीड़ा है। इसी प्रकार अपने काम के बीच-बीच में ईश्वर का स्मरण करते रहना है। यह विधि सदैव मृत्यु के प्रति सजग रखती है और मृत्यु के प्रति सजगता ही भरपूर जीवन जीने की पहली सीढ़ी है। ऐसी सजगता में किसी से मिलते हैं तो इस प्रकार के गहरे भाव से जैसे यह अंतिम मुलाकात हो। जो काम आज करना है वह तत्परता से होता है क्योंकि कल का तो भरोसा नहीं है। जो काम कल होना है उसकी चिंता नहीं होती क्योंकि मृत्यु की सजगता में कल का अस्तित्व ही नहीं है। यह सजगता हमें वर्तमान में जीना सिखा देती है। भूत और भविष्य दोनों हमारे मस्तिष्क के उत्पाद हैं। उनका कोई अस्तित्व नहीं है। जो है वह तो वर्तमान है। वर्तमान में जीना ही ध्यान है। मृत्यु की सजगता से जीवन के द्वार खुल जाते हैं।

मृत्यु की सजगता एक बात है परंतु दूसरी बात इससे भी अद्भुत है। वह है ईश्वर से अनायास मृत्यु की माँग। एक प्रसिद्ध श्लोक है – अनायासेन मरणं बिना दैन्येन जीवनम्। देहान्ते तव सायुज्जं देहि में परमेश्वरम्। इसमें ईश्वर से अचानक मृत्यु, बिना दीनता का जीवन और मृत्यु पश्चात् ईश्वर में लीन होने की प्रार्थना की गई है। जो अचानक, सहज मृत्यु माँगेगा वह मृत्यु के प्रति सजग तो रहेगा ही। सहज और आकस्मिक मृत्यु की माँग चेतना की उच्चस्तरीय अवस्था में ही हो सकती है। मृत्यु तो अवश्यंभावी और आकस्मिक है परंतु इसे अनुभव करते हुए इस सजगता में जीना हमारा जीवन बदल सकता है। यह आंतरिक दशा दूसरों को अनुभव में नहीं आ सकती वह तो अंतिम समय में मुँह से निकले शब्दों से ही अनुमान कर पाएँगे। (लेखक - ओमप्रकाश श्रीवास्तव/ईएमएस)

आज का इतिहास 8 मई

1828 अंतराष्ट्रीय रेडक्रास के संस्थापक हेनरी डुनांट का जन्म हुआ.

1884 अमरीकी राष्ट्रपति हैरी एस.धुमन का जन्म हुआ.

1921 स्वीडन ने मौत की सजा समाप्त कर दी गई.

1945 द्वितीय विश्व युद्ध में यूरोप में विजय दिवस मनाया गया.

1963 भारतीय रेडक्रास की शताब्दी समारोहों का आयोजन हुआ.

1987 इरान, इराक युद्ध में पहली बार सोवियत मालवाहक पर हमला हुआ.

1989 अमरीकी अंतरिक्ष शटल अटलांटिस कैलीफोर्निया के के. मोजेव रेगिस्तान में सुरक्षित उतरा.

1990 एस्टोनिया ने खुद को गणराज्य घोषित किया.

1991 समुद्री तूफान से ढाका में 45 व्यक्ति मारे गये.

1995 अंग्रेजी दैनिक ट्रिब्यून के एक पूर्व मुख्य संपादक प्रेम भाटिया का निधन.

1997 राजीव गांधी हत्या के छः वर्ष के बाद उनकी पत्नी सोनिया गांधी ने कांग्रेस दल की प्रारंभिक सदस्यता ग्रहण की.

1998 पूर्वोत्तर विकास परिषद में सिक्किम को शामिल किया गया. पूर्वोत्तर राज्यों को पड़ोसी देशों से व्यापार की सुविधा.

2002 शिवसेना नेता और भारी उद्योगमंत्री मनोहर जोशी लोकसभा के नये अध्यक्ष बने.

शब्द पहेली - 7279

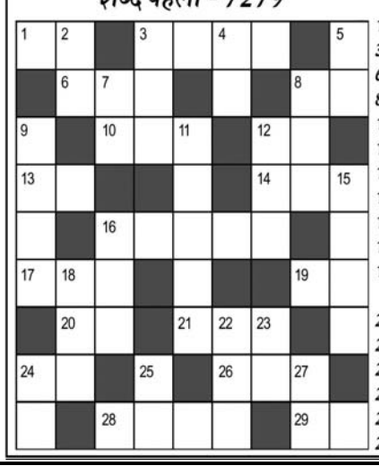

बाएँ से दाएँ

1.पेड़,दरख्त-2
3.प्रार्थना,पूजना-4
6.आदर्श,पैमाना-3
8.त्वचा,चमड़ी,खाल-2
10.सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3
12.देव,देवता-2
13.चलने का ढंग-2
14.प्रशंसा,गुणगान-3
16.आरामदायक-5
17.कक्ष,रूम-3
19.हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20.500 कागजों की गड्डी-2
21.कबाड़,खराब वस्तु-3
24.मजा,मस्ती-2
26.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28.शोरगुल,-4
29.तह,परत-2

ऊपर से नीचे

2.माफी-2
3.झूठी शान,घमंड-3
4.गर्दन से नीचे का शरीर,देह-2
5.अपराध,गुनाह-2
7.रग,नाड़ी-2
8.सूत कातने का यंत्र-3
9.एकाएक-4
11.शीश झुकाए हुए-5
12.भोर,प्रातः-3
15.ननद का पति-4
16.विश्राम,राहत-3
18.रोगी,बीमार-3
22.उच्चतम-3
23.गरबा,नृत्य-2
24.मृत्यु-2
25.रास्ता,मार्ग-2
27.आनंदित,मौजी-2

शब्द पहेली -7278 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

कोरोना से कितने मरे ?

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना से मरनेवाले भारतीयों की जो संख्या जताई है, यदि वह ठीक हो तो वह भारत के लिए बहुत ही चिंता और लज्जा का विषय है। उसके आंकड़े अगर प्रामाणिक हों तो भारत सरकार कहीं मुंह दिखाने लायक भी नहीं रहेगी। भारत सरकार का कहना है कि कोरोना के दो वर्षों में भारत में मौतों की संख्या 4 लाख 81 हजार रही है लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की रपट कहती है कि यह संख्या 40 लाख 74 हजार है। याने सरकार ने जितनी बताई है, उससे लगभग दस गुना है। यह एक और दस का अंतर क्या बताता है? क्या यह नहीं कि या तो वह विश्व संस्था झूठ बोल रही है या भारत सरकार ने झूठ बोला है? यह तो ठीक है कि जब ऐसी प्राकृतिक आपदाएं आती हैं तो दुनिया की सभी सरकारें उन्हें कम करके दिखाना चाहती हैं ताकि लोगों पर उनकी यह छवि बने कि उन्होंने जनहित के खातिर कितना जबर्दस्त काम कर दिखाया है लेकिन क्या कोई सरकार इतनी बड़ी धांधली कर सकती है कि वह 10 को 1 में बदल दे? भारत-जैसे खुले देश में ऐसा करना संभव नहीं है। भारत कोई रूस, चीन या उत्तर कोरिया जैसा देश नहीं है, जहां खबरपालिका प्रायः लकवाग्रस्त होती है। भारत में संसद है, विपक्ष है और हमारे नौकरशाह भी इतने मरियल नहीं है कि कोई सरकार इतनी बड़ी धांधली करे और वे हाथ पर हाथ धरे बैठे रहें। इसके अलावा भारत की जनता हालांकि उद्दंड नहीं है लेकिन वह इतनी साहसी जरुर है कि वह किसी भी सरकार का निकम्मापन बर्दाश्त नहीं करेगी। वास्तव में विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस रपट का मुख्य उद्देश्य यही सिद्ध करना है कि भारत में कोरोना की वजह से लोग मरते रहे और सरकार खर्राटे खींचती रही। यह ठीक है कि शुरु के कुछ दिनों में सरकार ने काफी लापरवाही दिखाई। 2020 में लगभग 40 लाख लोगों ने समुचित चिकित्सा के अभाव में प्राण त्यागे लेकिन वे सब क्या कोरोना के रोगी थे? क्या यह सत्य नहीं हैं कि भारत के डाक्टरों, नर्सों और अन्य कर्मचारियों ने अपनी जान पर खेलकर करोड़ों लोगों को जीवन-दान दिया है? तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन ने उस जानलेवा माहौल में जिस कर्मठता का परिचय दिया है, वह विलक्षण थी। इसके अलावा हमारे आयुर्वेदिक काढ़े के करोड़ों पेकेटों और भारत के घरेलू मसालों ने कोरोना-युद्ध में कमाल कर दिखाया था। भारत के मुकाबले अमेरिका, यूरोप और चीन में जितने लोग मरे हैं, यदि जनसंख्या के अनुपात के हिसाब लगाएं तो वे कई गुना ज्यादा हैं। उन राष्ट्रों के शारीरिक स्वास्थ्य और श्रेय चिकित्सा-पद्धति के दावे को इस महामारी ने चूर-चूर कर दिया है। विश्व-स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों का भारत सरकार ने कई आधारों पर कड़ा प्रतिवाद किया है। भारत में हताहतों की संख्या के आंकड़े प्रतिदिन प्रचारित किए जाते थे। उन्हें छिपाने का प्रश्न ही नहीं उठता। विश्व स्वास्थ्य संगठन की उप-महानिदेशक समीरा अस्मा ने, जो इस तरह के आंकड़े जारी करती हैं, कहा है कि भारत सरकार के विरोध पर वे जरुर ध्यान देंगी और अपने आंकड़ों की जांच करवाएंगी। भारत सरकार का विरोध अपनी जगह सही है लेकिन सच्चाई क्या है, यह सिद्ध करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार के बीच दो-टूक संवाद जरुरी है। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

खेल - समाचार

थॉमस और उबेर कप में भारत को सिंधू ओर लक्ष्य से उम्मीदें

बैंकॉक (ईएमएस)। महिला वर्ग में पीवी सिंधू ओर पुरुष वर्ग में लक्ष्य सेन रविवार से शुरु हो रहे थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन फाइनल में भारत की ओर से प्रमुख पदक दावेदार के तौर पर उतरेंगे। भारत की किसी पुरूष टीम ने अभी तक थॉमस कप में पदक नहीं जीता है। यहां तक कि भारतीय टीम एक बार भी टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंची है। केवल भारतीय महिला टीम ने साल 2014 और 2016 में उबेर कप सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक जीता था। वहीं पिछले साल दोनों टीमें क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। इस बार भारतीय पुरूष टीम में नौवे नंबर के खिलाड़ी सेन, 11वें नंबर के किदाम्बी श्रीकांत और 23वीं रैंकिंग वाले एच एस प्रणय शामिल हैं। इसके अलावा युगल में दुनिया की नौवें नंबर की जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के अलावा एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला तथा के पी गारागा और विष्णुवर्धन गौड़ की जोड़ी भी शामिल है। मजबूत टीम और अनुकूल ड्रॉ मिलने से भारतीय पुरूष टीम के पास पहली बार पदक जीतने का अच्छा अवसर है। भारत को ग्रुप सी में पहला मुकाबला जर्मनी से खेलना है जबकि चीनी ताइपै और कनाडा भी ग्रुप में हैं। वहीं दूसरी ओर महिला टीम युगल में तनीषा क्रास्टो, श्रुति मिश्रा, सिमरन सिंधी, रितिका ठाकेर और त्रिसा जौली पर जिम्मेदारी होगी।

आईपीएल के बाद इंग्लैंड और वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम का आईपीएल के बाद बेहद वयस्त कार्यक्रम है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया को पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलनी है। उसके बाद यह इंग्लैंड और वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। वेस्टइंडीज में भारतीय टीम को को तीन एकदिवसीय और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने को मिलेंगे। इस प्रकार होने वाली तीन सीरीज को देखते हुए कई युवा खिलाड़ियों को भी टीम में अवसर मिल सकता है।

भारतीय टीम वेस्टइंडीज में होने वाले पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से एक या दो

आईपीएल में आज सनराइजर्स और आरसीबी के बीच रोमांचक मुकाबले की संभावनाएं

मुंबई (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद रविवार को आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से खेलेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले की संभावनाएं हैं। इस मैच में दोनो ही टीमों के प्रमुख बल्लेबाज बल्लेबाज केन विलियमसन और विराट कोहली बड़ी पारी खेलकर अपने आलोचकों को जवाब देना चाहेंगे। यह दोनो ही इस सत्र में अब तक बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं। इसलिए इस मैच में

अब यह दोनो अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी-अपनी टीमों को जीत दिलाना चाहेंगे। कोहली ने इस सत्र में अब तक केवल एक अर्धशतक लगा है। पिछले मैच में वह सीएसके के खिलाफ बड़ी पारी नहीं खेल पाये थे। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स के कप्तान विलियमसन भी अच्छी शुरुआत के बाद भी अब तक बड़ी पारियां नहीं खेल पाये हैं। सनराइजर्स को अपने पिछले तीन मैच में लगातार हार का सामना करना पड़ा है। इससे जहां उसका मनोबल गिरा है। वहीं वह अंकतालिका में भी छठे स्थान पर खिसक गयी है।

अपने प्रमुख स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ओर तेज गेंदबाज टी नटराजन के चोटिल होने से भी सनराइजर्स की मुश्किलें बढ़ी हैं। यह दोनों ही इससे पहले हुए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नहीं खेल पाये थे। टीम के तेज गेंदबाज उमरान मलिक भी दिल्ली के खिलाफ अपनी रफ्तार का लाभ नहीं उठा पाये। कैपिटल्स के बल्लेबाजों ने उमरान के खिलाफ जमकर रन बनाये। वहीं बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा से सनराइजर्स को अच्छी शुरुआत मिलती रही है पर उन्हें बड़ी पारी भी खेलनी होगी। कार्तिक त्यागी और श्रेयस गोपाल को भी अपनी ओर से योगदान देना होगा। निकोलस पूरन पिछले कुछ समय से अच्छे रन बना रहे हैं और टीम को उनसे इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

आरसीबी के पास बल्लेबाजी में कप्तान फाफ डु प्लेसी ओर विराट कोहली के अलावा ग्लेन मैक्सवेल, दिनेश कार्तिक और शाहबाज अहमद जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं गेंदबाज में उसके पास जोश हेजलवुड, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज और वानिंदु हसरंगा जैसे गेंदबाज हैं जिनका सामना करना सनराइजर्स के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा।

आईपीएल में आज सीएसके और कैपिटल्स में होगा मुकाबला

नवी मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल में रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर जीत के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स टीम प्लेऑफ की अपनी संभावनाएं बनाये रखने के लिए उतरेगी। इस मैच में कैपिटल्स की जीत की संभावनएं प्रबल हैं जबकि सीएसके का दावा कमजोर नजर आता है। कैपिटल्स अभी दस अंकों के साथ पांचवे स्थान पर है वहीं सीएसके की टीम छह अंक लेकर नौवे स्थान पर है और उसकी प्लेऑफ की सभी संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। दिल्ली ने पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था ओर इससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। दिल्ली की बल्लेबाजी कप्तान ऋषभ पंत के अलावा सलामी बल्लेबाज डेविड और पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो दिल्ली के पास कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी जैसे गेंदबाज हैं। कुलदीप का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में शानदार रहा है और उसका सामना करना सीएसके के बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं रहेगा।

दिल्ली को इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो वार्नर के साथ सही जोड़ीदार उतारना होगा ताकि शुरुआत में बड़ी साझेदारी बन सके। अब तक पृथ्वी उनके जोड़ीदार के तौर पर खास प्रभाव नहीं छोड़ पाये हैं। वहीं मनदीप सिंह को तीन बार वार्नर के साथ उतारा गया पर वह भी असफल रहे हैं। वहीं वॉर्नर ने अब तक शानदार बल्लेबाजी करते हुए आठ मैचों में 356 रन बनाये हैं और टीम को उनसे आगे भी इसी प्रकार रनों की उम्मीद रहेगी। वहीं कप्तान ऋषभ पंत और मिशेल मार्श को भी बड़ी पारियां खेलनी होंगी। गेंदबाजी में स्पिनर कुलदीप के अलावा तेज गेंदबाज खलील अहमद और शार्दुल ठाकुर को भी सीएसके के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। कुलदीप को छोड़कर अन्य गेंदबाजों ने अब तक काफी रन दिये हैं। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया की वापसी से दिल्ली की गेंदबाजी की धार इस मैच में बढ़ सकती है।

वहीं दूसरी ओर लगातार हार के बाद सीएसके टीम का मनोबल घटा है। इसके अलावा उसे दीपक चाहर और एडम मिल्ने जैसे अच्छे खिलाड़ियों के सत्र से बाहर होने का भी नुकसान उठाना पड़ा है। इन दोनो की जगह शामिल अन्य गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे हैं। युवा बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ और अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा अब तक अपनी लय हासिल करने में विफल रहे हैं। जडेजा कप्तानी छोड़ने के बाद भी रन नहीं बना पाये हैं। वहीं अंबाती रायुडू, धोनी, शिवम दुबे और मोईन अली ने अच्छी बल्लेबाजी की है पर निरंतरता की कमी दिखी है। डेवोन कोंवे ने तीन मैचों में 144 रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाजी में महीष तीक्षणा, मुकेश चौधरी और ड्वेन ब्रावो को विकेट मिले हैं पर वे महंगे रहे हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.7 अरब डॉलर घटकर 597.73 अरब डॉलर पर

मुंबई (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 29 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में लगातार सातवें सप्ताह गिरता हुआ 2.7 अरब डॉलर घटकर 597.73 अरब डॉलर पर आ गया। इससे पूर्व 22 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार लगातार छठे सप्ताह गिरता हुआ 3.27 अरब डॉलर कम होकर 600.4 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 31.1 करोड़ डॉलर कम होकर 603.7 अरब डॉलर, 08 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.47 अरब डॉलर घटकर 604 अरब डॉलर, 01 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह रिकॉर्ड 11.17 अरब डॉलर कम होकर 606.48 अरब डॉलर तथा 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.03 अरब डॉलर गिरकर 617.65 अरब डॉलर पर रहा। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार 29 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.1 अरब डॉलर गिरकर 532.8 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह स्वर्ण भंडार 1.2 करोड़ डॉलर कम होकर 41.6 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 36.2 करोड़ डॉलर घटकर 18.3 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 5.9 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ पांच अरब डॉलर रह गई।

अक्टूबर-दिसंबर 2021 में 8.7 प्रतिशत रही बेरोजगारी दरः सर्वेक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस)। शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर 2021 में घटकर 8.7 प्रतिशत रह गई। यह आंकड़ा इससे एक साल पहले की समान अवधि में 10.3 प्रतिशत था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के एक निश्चित अवधि पर होने वाले श्रम बल सर्वेक्षण से यह पता चला है। कुल कार्यबल में बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत को बेरोजगारी दर (यूआर) कहते हैं। देश में कोविड महामारी को काबू में करने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों के चलते अक्टूबर-दिसंबर 2020 में बेरोजगारी दर काफी अधिक थी। एनएसओ के 13वें आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के मुताबिक जुलाई-सितंबर 2021 में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 9.8 प्रतिशत थी। सर्वेक्षण के मुताबिक शहरी क्षेत्रों में महिलाओं (15 वर्ष और उससे अधिक आयु) में बेरोजगारी दर भी अक्टूबर-दिसंबर 2021 में घटकर 10.5 प्रतिशत रह गई, जो इससे एक साल पहले समान अवधि में 13.1 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा जुलाई-सितंबर 2021 में 11.6 फीसदी था। शहरी क्षेत्रों में पुरुषों में बेरोजगारी दर भी अक्टूबर-दिसंबर 2021 में घटकर 8.3 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9.5 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा जुलाई-सितंबर 2021 में 9.3 फीसदी थाशहरी क्षेत्रों में सीडब्ल्यूएस (वर्तमान साप्ताहिक स्थिति) में श्रम बल भागीदारी दर अक्टूबर-दिसंबर 2021 तिमाही में इससे एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 47.3 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही। जुलाई-सितंबर 2021 में यह आंकड़ा 46.9 फीसदी था।

एनएसई के पूर्व प्रमुख रवि नारायण के खिलाफ सेबी के आदेश पर लगी रोक

- नारायण को चार सप्ताह में सेबी के समक्ष 50 लाख रुपए जमा करना होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) के पूर्व प्रमुख रवि नारायण के खिलाफ बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा जारी आदेश पर रोक लगा दी है। यह रोक इस शर्त के साथ लगाई गई है कि नारायण को चार सप्ताह में सेबी के समक्ष 50 लाख रुपए जमा करना होगा। सैट ने हाल ही में पारित एक आदेश में कहा कि जमा की गई राशि को सेबी को ऐसे खाते में रखना होगा, जिस पर ब्याज हासिल हो। सेबी ने कामकाज में चूक मामले में उन्हें नोटिस भेजा था। 11 फरवरी को एक आदेश में पूंजी बाजार नियामक ने नारायण को दो साल के लिए किसी भी बाजार बुनियादी ढांचा संस्थान या किसी सेबी-पंजीकृत मध्यस्थ के साथ जुड़ने से रोक दिया था। साथ ही उन पर दो करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया था। कारण बताओ नोटिस में आरोप लगाया गया था कि चित्रा रामकृष्णा ने आनंद सुब्रमणियन को भारी वेतन पर निजी सलाहाकार नियुक्त किया था जबकि उनके पास कोई विशेष योग्यता नहीं थी। नारायण पर आरोप है कि वह उन 10 निदेशकों में से एक थे जिन्होंने सुब्रमणियन को कार्यकारी शक्तियां सौंपने के लिए प्रस्ताव पारित किया था। इसके अलावा नारायण एनएसई में खामियों के बारे में सेबी को जानकारी देने में भी विफल रहे।

आदेश में सैट ने प्रथमदृष्टया पाया कि सुब्रमणियन को कार्यकारी शक्तियां सौंपने के लिए जिन प्रस्तावों को पारित किया गया था, उसमें अकेले नारायण को निशाना बनाया गया। सैट ने कहा कि अपीलकर्ता (नारायण) को आरोपित बनाना भेदभावपूर्ण प्रतीत होता है, क्योंकि यह निदेशक मंडल का सामूहिक निर्णय था। इतना ही नहीं उक्त उल्लंघन के लिए अपीलकर्ता पर लगाया गया जुर्माना भी अत्यधिक प्रतीत होता है। ट्रिब्यूनल ने निर्देश दिया कि नारायण से संबंधित आदेश पर रोक रहेगी, बशर्ते वह चार सप्ताह के भीतर सेबी के समक्ष 50 लाख रुपये जमा कर दें। इसने सेबी को तीन सप्ताह के भीतर अपना जवाब देने का भी निर्देश दिया और मामले की सुनवाई के लिए 30 जून को सूचीबद्ध किया।

भारत और इटली के पास आर्थिक संबंध बढ़ाने काफी अवसरः गोयल

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और इटली के पास आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के ?लिए काफी अवसर जैसे पर्यटन, डिजाइन, डिजिटल दुनिया, सेवाओं, वस्तुओं और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग के काफी अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि इन अवसरों का लाभ उठाकर आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया जा सकता है। गोयल ने कहा कि भारत के विशाल बाजार और प्रतिभाशाली कार्यबल की उपलब्धता और अपार अवसरों के जरिए दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत किया जा सकता है। गोयल ने इटली के विदेश मंत्री लुइगी डि माओ के साथ भारत इटली व्यापार वार्ता में कहा ?कि दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले भारत में सबसे अधिक कारोबारी अवसर हैं। आज हम 3,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था से दस वर्षों में 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और 20 वर्षों में 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। इटली के विदेश मंत्री ने कहा कि कई इतालवी कंपनियां अपनी दीर्घकालिक रणनीति में भारत को एक प्रमुख देश मानती हैं, जिसका बाजार वैश्विक स्तर पर वृद्धि को गति देगा। उन्होंने बताया कि 600 से अधिक इतालवी कंपनियों ने भारत में अपनी उपस्थिति दर्ज की है और उन्होंने 50,000 से अधिक स्थानीय कर्मचारियों को रोजगार दिया है।

मिसाइल परीक्षण के 3 दिन बाद नार्थ कोरिया ने पनडुब्बी से दागा प्रक्षेपास्त्र : साउथ कोरिया

सियोल (ईएमएस)। नार्थ कोरिया की परमाणु शस्त्रों के परीक्षण की कवायद लगातार जारी है। साउथ कोरिया की सेना कहा कि शनिवार को अपने पूर्वी समुद्र की ओर कम से कम एक अज्ञात प्रक्षेपास्त्र दागा है। इस हफ्ते में यह उत्तर कोरिया का दूसरा परीक्षण है तथा इससे संकेत मिलते हैं कि वह आने वाले हफ्तों में या महीनों में परमाणु परीक्षण कर सकता है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने अभी यह नहीं बताया कि क्या यह प्रक्षेपास्त्र बैलिस्टिक मिसाइल थी या यह कितनी दूर जाकर गिरी ? इससे तीन दिन पहले दक्षिण कोरिया और जापान की सेनाओं ने बताया था कि उत्तर कोरिया ने बुधवार को अपनी राजधानी प्योंगयांग से एक संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी। यह ताजा परीक्षण उत्तर कोरिया का इस साल का 15वां मिसाइल परीक्षण हो सकता है। ऐसे भी संकेत मिले हैं कि उत्तर कोरिया एक परमाणु परीक्षण स्थल पर सुरंगों को बहाल कर रहा है, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि वह परमाणु हथियारों का परीक्षण कर सकता है।

पाकिस्तान में भूकंप से 80 मकान ढहे, 200 से अधिक परिवार हुआ बेघर

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में 5.2 तीव्रता के भूकंप से खुजदार जिले में कम से कम 80 मकान ढह गए। मौसम विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र औरनाजी के पास था और शुक्रवार को दिन में 11 बजकर 55 मिनट पर झटका महसूस किया गया। अधिकारियों ने कहा कि भूकंप करीब आधे मिनट तक महसूस किया गया, जिससे घबराए हुए लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल कर खुले में भागे।

बड़े झटकों के बाद थोड़े अंतराल पर कम तीव्रता के झटके महसूस किए गए। खुजदार के उपायुक्त सेवानिवृत्त मेजर इलियास किबजई ने बताया औरनाजी का एक बड़ा क्षेत्र भूकंप से प्रभावित हुआ, जिसमें 80 से अधिक मकान ध्वस्त हो गए, जबकि 260 अन्य मकानों में बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं। भूकंप से वाध तहसील के नाल, जमरी, बारंग और नाचकन सोनारो लाठी गांवों में भी मकानों को नुकसान पहुंचा है। किबजई ने कहा भूकंप से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है क्योंकि अधिकतर लोग अपने-अपने घरों के बाहर काम में व्यस्त थे। जो लोग अंदर थे वे शुरुआती झटके के बाद अपने घरों से बाहर निकल गए।

उन्होंने कहा कि मकान ढहने से 200 से अधिक परिवार बेघर हो गए। भूकंप की सूचना मिलने के तुरंत बाद, भूकंप प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री भेजी गई। किबजई ने बताया कि पहाड़ी इलाका होने के कारण बचाव और राहत टीम को प्रभावित गांवों तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। उपायुक्त ने कहा हमने दवाओं के साथ स्वास्थ्य टीम भेजी है।'' प्रभावित परिवारों को आश्रय मुहैया कराने के प्रयास भी जारी हैं। इस बीच, बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर अब्दुल कुदूस बिजेंजो ने भूकंप से स्थानीय लोगों को हुए वित्तीय नुकसान पर गंभीर चिंता व्यक्त की और स्थानीय प्रशासन तथा प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत प्रभावी राहत अभियान शुरू करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्र में तंबू, कंबल और अन्य जरूरी चीजों की तत्काल व्यवस्था करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस मुश्किल घड़ी में सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है।

यूक्रेन युद्ध के बीच आक्रामक हुआ ड्रैगन, चीन के 18 लड़ाकू विमानों ने ताइवान में की घुसपैठ

ताइपे (ईएमएस)। पूरी दुनिया का ध्यान इस समय रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पर है। इस बीच चीन ने भी ताइवान को लेकर आक्रामक रुख अपनाना शुरू कर दिया है। ताइवान की सरकार के मुताबिक चीन लगातार घुसपैठ की कोशिश कर रहा है। शुक्रवार को ताइवान के रक्षा क्षेत्र में चीन ने 18 लड़ाकू विमानों और बॉम्बर को भेजा।

ताइवान ने इसे इस साल की दूसरी सबसे बड़ी घुसपैठ करार दिया है। ताइवान के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चीनी विमानों के लिए इन्होंने चेतावनी सिग्नल भेजे और जेट को ट्रैक करने के लिए एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल किया। चीन लगातार कहता रहा है कि वह एक दिन ताइवान को अपना हिस्सा बना लेगा और अगर जरूरत पड़ी तो वह सैन्य बल भी इस्तेमाल भी करेगा। रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया को डर है कि चीन ताइवान पर हमला कर सकता है।

ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में 2021 के आखिरी महीनों में चीन की ओर से घुसपैठ देखी गई थी। चार अक्टूबर को चीन ने सबसे बड़ी घुसपैठ की थी, जब इसकी वायुसेना के 56 युद्धक विमानों ने क्षेत्र में प्रवेश किया था। ताइवान ने कहा कि शुक्रवाक को 18 चीनी विमान उसके क्षेत्र में आए जिसमें 12 जे-11 और जे-16 फाइटर जेट थे। इसके साथ दो एच-6 बॉम्बर, दो एयर पुलिस एयरक्राफ्ट और एक यून-8 रिमोट ड्रायर थे।

चीन की घुसपैठ के बाद ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने उन चीनी विमानों की तस्वीरें जारी की है, जिन्हें उन्होंने ट्रैक किया। यह इस साल की दूसरी सबसे बड़ी घुसपैठ है। इससे पहले 23 जनवरी को 39 लड़ाकू विमानों के साथ चीन ताइवान के हवाई क्षेत्र में पहुंचा था। ताइवान ने सितंबर 2020 से चीनी घुसपैठ को लेकर नियमित रूप से डेटा जारी करना शुरू किया। साई इंग वेन के 2016 में राष्ट्रपति चुने जाने के बाद चीन लगातार ताइवान पर दबाव बढ़ा रहा है, क्योंकि वह ताइवान द्वीप को चीन का क्षेत्र न मानते हुए उसे एक संप्रभु राष्ट्र मानती हैं।

महिलाएं सिर से पैर तक पहनें बुर्का, कोई जरूरी काम न हो तो घर पर ही रहें तो बेहतर : अखुंजादा

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में सत्ता संभालने के बाद तालिबान ने अपना धीरे-धीरे रंग दिखाना शुरू कर दिया है। इसी बीच खबर है कि अफगानिस्तान के सर्वोच्च नेता और तालिबान प्रमुख अखुंजादा ने शनिवार को देश के महिलाओं के लिए एक फरमान जारी किया है। फरमान के मुताबिक अब महिलाएं सार्वजनिक तौर पर बुर्का पहनेगी।

कट्टर इस्लामी तालिबानी शासन की ओर से यह आदेश महिलाओं के जीवन पर लगाए गए सबसे कठोर नियंत्रणों में से एक है। पिछले साल अगस्त माह में तत्कालीन राष्ट्रपति अशरफ गनी को हटाकर सत्ता की कुर्सी पर बैठने के बाद तालिबान ने दुनिया के सामने अपनी छवि बदलने का दिखावा किया था। तालिबान ने कहा था कि वह अब पहले जैसा तालिबान नहीं है और जनता के हिता में काम करेंगे। साथ ही कहा था कि लोगों को जिंदगी अपने तरीके से जीने की पूरी आजादी दी जाएगी। लेकिन समय के साथ-साथ तालिबान ने अपना असली रंग दिखा दिया और आज महिलाओं के लिए कठोर फरमान जारी कर दिया।

तालिबान के फरमान में पुरुषों के लिए भी आदेश सुनाए गए है। जिसमें सिर पर टोपी, दाढ़ी और टखने से ऊपर पेंट पहनना अनिवार्य होगा। वहीं महिलाओं के इस नए फरमान को लेकर कहा गया है कि महिलाओं को एक चदोरी यानि सिर से पैर तक बुर्का पहनना होगा क्योंकि यह पारंपरिक और सम्मानजनक है। फरमान में आगे यह भी कहा गया है कि जो महिलाएं बूढ़ी और युवा नहीं है उन्हें शरिया निर्देशों के अनुसार आंखों को छोड़कर, अपना पूरा चेहरा ढकना होगा ताकि पुरुषों से मिलने पर उत्तेजना से बचा जा सके। साथ ही महिलाओं को कहा गया है कि अगर कोई महत्वपूर्ण काम नहीं हो तो बेहतर है कि वह घर के अंदर ही रहे।

दूर स्थित किसी अन्य ग्रह पर भी मौजूद हो सकते हैं इंसान

- वैज्ञानिकों का दावा- धरती के सभी इंसान हैं एलियंस!

टोक्यो(ईएमएस)। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति कैसे हुई? वैज्ञानिकों का नया दावा चौंकाने वाला है। कहा जा रहा है कि पृथ्वी पर जीवन एक ऐसे ग्रह से आया है जो हमसे खरबों किमी दूर स्थित है। तो क्या इसका मतलब है कि हम सब एलियंस हैं? इंसानों के डीएनए में पाए जाने वाले केमिकल ब्लॉक्स पहली बार ऐसे ऐस्टरॉइड्स में मिले हैं जो अरबों साल पहले धरती से टकराए थे।

यह इस बात की तरफ इशारा करता है कि धरती पर जीवन के बीज कहीं और से बोए गए थे और बेहद दूर स्थित किसी अन्य ग्रह पर भी इंसान मौजूद हो सकते हैं। खबर के अनुसार तीन कार्बन युक्त उल्कापिंडों, मुर्चिसन, मुर्रे और टैगिश लेक, की हाई-टेक तरीकों से जांच की गई। जापान की होक्काइडो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर यासुहिरो ओबा ने कहा कि हमें न्यूक्लियोबेस सहित कई विविध जैविक सामग्री मिली हैं जो हमारे जीवन के बुनियादी ब्लॉक्स हैं। उन्होंने कहा कि ये चार अरब साल पहले क्षुद्रग्रहों, उल्कापिंडों, धूमकेतुओं और ग्रहों की धूल के कणों से धरती पर लाए गए होंगे, जब हमारे ग्रह पर अंतरिक्ष के मलबे की बमबारी हो रही थी।

ओबा ने कहा कि हमारा मानना है कि इन सामग्रियों ने पृथ्वी पर जीवन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह बहुत ही रोमांचक खोज है जो हमारी समझ का विस्तार करती है कि जीवन कैसे शुरू हुआ। पृथ्वी पर जीवन का आधार, डीएनए और आरएनए बनाने के लिए दो तरह के न्यूक्लियोबेस की आवश्यकता होती है। इन्हें पाइरीमिडीन और प्यूरीन कहा जाता है। इससे पहले उल्कापिंडों में सिर्फ प्यूरीन पाया गया था। कुछ दिनों पहले एक वैज्ञानिक ने दावा किया था कि संभवतः एलियंस का एक 'विमान' प्रशांत महासागर में क्रैश हुआ है। अपने दावे को साबित करने के लिए वह एक मिशन शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं।

एलियंस को लेकर सच छुपा रहा पेंटागन : अमेरिकी राजनेता

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अनंत ब्रह्मांड में एलियन की परिकल्पना को लेकर दुनियाभर के वैज्ञानिक कवायद में लगे है। अंतरिक्ष में इंसान एलियंस को खोज रहा है। एलियंस से संबंध स्थापित करने के लिए वैज्ञानिक अलग-अलग प्रयास कर रहे हैं। लेकिन अब अमेरिका में एक राजनेता ने कहा है कि अमेरिकी अधिकारियों को यूएफओ को लेकर गंभीरता दिखानी चाहिए। वरिष्ठ राजनेता मांग कर रहे हैं कि विश्व स्तर पर रक्षा प्रमुख केवल यूएफओ देखे जाने को सिर्फ रिकॉर्ड न करें बल्कि इन मशीनों से सक्रिय रूप से निपटने पर फोकस करें। ये बयान तब आया है जब यूएफओ की लेकर ब्रिटिश इनवेस्टिगेटर निक पोप ने कहा है कि 2022 यूएफओ का साल होगा। टेनेसी के प्रतिनिधि टिम बर्चेट ने पेंटागन पर कांग्रेस से जानकारी छिपाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, 'मुझे इस मामले में सत्यता जानने के लिए रक्षा विभाग पर भरोसा नहीं है, क्योंकि लीडरशिप हमेशा चीजों को छुपाने का हिस्सा रही है। सार्वजिनक साक्ष्य बताते हैं कि हवाई क्षेत्र पर हमारा कोई पूर्ण नियंत्रण नहीं है। ये राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। अगर हम यूएफओ को नजरअंदाज करते रहे तो हमारे हवाई क्षेत्र पर हमारा नियंत्रण नहीं रह जाएगा।'

पेंटागन को विसंगति निगरानी और समाधान कार्यालय बनाने की आवश्यकताओं से जुड़ा बिल पास होने के चार महीने बाद ये बयान सामने आया है। पेंटागन की ये यूनिट अगले महीने तक शुरू हो सकती है, जिसके तहत यूएफओ की जांच के लिए किसी भी संसाधन, संपत्ति या प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का अधिकार होगा। पेंटागन इस कानून के तहत तकनीकी और परिचालन विशेषताओं, उत्पत्ति और अज्ञात हवाई घटनाओं के बारे में ज्यादा जानकारी जुटाएगा।

निक पोप ने कहा था कि मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में हम यूएफओ के बारे में सुनेंगे। उन्होंने इस बात की भी उम्मीद जताई थी कि अमेरिकी सेना कई फोटो और वीडियो या यूएफओ से जुड़े डॉक्यूमेंट जारी करेगी। इनमें से कई व्हिसलब्लोवर के जरिए आएंगी, लेकिन ज्यादातर जानकारी सरकार ही जारी करेगी। फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रूबियो भी एलियंस को लेकर सरकार द्वारा दी गई जानकारी से ज्यादा खुश नहीं हैं। उनके एक सहयोगी ने कहा कि रूबियो निश्चित रूप से बेहद निराश हैं। इस मामले में सरकार धीरे चल रही है और ज्यादा जानकारी नहीं दे रही है। बता दें कि जून 2021 में अमेरिका ने यूएफओ से जुड़ी रिपोर्ट जारी की थी और कहा था कि पेंटागन ने 2004 से 2021 तक यूएफओ से जुड़ी घटनाओं को रिकॉर्ड किया।

यूक्रेन में परमाणु हथियारों के प्रयोग से रूस ने किया इनकार, मॉस्को बोला बेकार की बयानबाजी कर रहे पश्चिमी देश

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन युद्ध के दौरान परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना को रूस ने खारिज कर दिया है। रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एलेक्सी जैतसेव ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया है कि यूक्रेन पर रूस की सैन्य कार्रवाई को लेकर पश्चिमी देश न्यूक्लियर वॉर की चर्चा करने लगे हैं, लेकिन ऐसा कहना गलत है। रूस के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एलेक्सी जैतसेव ने कहा कि रूस द्वारा यूक्रेन पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर पश्चिमी देशों के अधिकारी सार्वजनिक रूप से बयानबाजी कर रहे हैं। यह पूरी तरह से गलत है क्योंकि यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को की कार्रवाई एक विशेष सैन्य अभियान है। दरअसल यूक्रेन के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच रूस की सेना ने परमाणु हमले का अभ्यास किया था।

कलिनिनग्राद में रूसी सेना ने परमाणु सक्षम मिसाइल हमले का अभ्यास किया। कलिनिनग्राद बाल्टिक सागर के किनारे स्थित रूस का अहम सैन्य अड्डा है और यहां पर न्यूक्लियर मिसाइल के हमले के अभ्यास से पूरा यूरोप खतरा महसूस कर रहा है। अमेरिकी एजेंसी सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने 14 अप्रैल को कहा कि यूक्रेन में रूस को जो झटके लगे हैं, उसे देखते हुए, सामरिक परमाणु हथियारों या कम-प्रभाव वाले परमाणु हथियारों के संभावित खतरे को हल्के में नहीं ले सकता है। वहीं जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने भी कहा है कि दुनिया के नेताओं को रूस के परमाणु हथियारों के विस्तार के खतरों को लेकर सतर्क रहना चाहिए।

उधर यूक्रेन को अमेरिका और नाटो से मिल रही सैन्य मदद से रूस भड़का हुआ है। रूस के विदेश मंत्री ने सर्गेई लावरोव ने चेतावनी देते हुए कहा था कि परमाणु युद्ध का जोखिम अभी भी बना हुआ है। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला किया था और अभी तक दोनों देशों के बीच यह जंग जारी है।

गैस रिसाव से हवाना के फाइव स्टार होटल में भीषण विस्फोट, अब तक 22 लोगों की मौत

हवाना (ईएमएस)। क्यूबा की राजधानी हवाना में एक धमाके से पांच सितारा होटल क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों का कहना है कि इस घटना में 22 लोगों की मौत हो गई और करीब 64 लोग घायल हो गए। राष्ट्रपति मिगेल डियाज कनेल के कार्यालय ने ट्वीट कर कहा कि शुक्रवार तड़के हवाना के होटल साराटोगा में गैस रिसाव के कारण धमाका हुआ। कार्यालय की तरफ से कहा गया कि लोगों के फंसे होने की आशंका के मद्देनजर घटनास्थल पर तलाशी एवं बचाव अभियान शुरू किया गया है। इसने बताया कि इस घटना में 22 लोगों की जान चली गई। स्थानीय मीडिया में आई खबर में अधिकारियों के हवाले से कहा गया कि इस घटना में करीब 64 लोग घायल हो गए जबकि कई लोग लापता हैं।

हवाना के गवर्नर रेनाल्डो गार्सिया ज़ापता ने स्थानीय मीडिया को बताया कि 96 कमरों वाले होटल साराटोगा में कोई पर्यटक मौजूद नहीं था क्योंकि वहां मरम्मत का काम चल रहा था। स्थानीय मीडिया ने हवाना के होटल साराटोगा को गंभीर नुकसान होने और आसमान में ऊपर उठते धूल के गुबार से संबंधित तस्वीरें प्रकाशित कीं। खबरों के मुताबिक, होटल से सटे स्कूल को भी खाली कराया गया है।

ब्रिटेन में नीलाम की जाएंगी महात्मा गांधी से जुड़ी 70 से अधिक चीजें, 4.74 करोड़ में बोली लगने की संभावना

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में महात्मा गांधी से जुड़ी कई चीजों की नीलामी होने जा रही है। इसमें गांधी के हाथों से बनाए गए कपड़े, लकड़ी की चप्पल और गांधी की संभवतः आखिरी तस्वीर शामिल है। उम्मीद जताई जा रही है कि ये ऐतिहासिक धरोहरें करीब पांच लाख पाउंड यानी 4.74 करोड़ रुपए कीमत में नीलाम हो सकती हैं।

महात्मा गांधी के इस कलेक्शन में कुल 70 चीजें शामिल हैं, जो गांधी से जुड़ी हैं। इसमें सबसे अहम उनके द्वारा बनाए गए कपड़े, जेल में लिखे खत और दो जोड़ी चप्पल हैं। ईस्ट ब्रिस्टल आक्शन को उम्मीद है कि गांधी की 70 चीजों का कलेक्शन 500,000 पाउंड की रकम जुटा सकता है। इससे पह

सरकार की प्रोत्साहक नीतियों से दुनियाभर के उद्योगपति तथा पूँजी निवेशक गुजरात आने को आतुर : मुख्यमंत्री

- अहमदाबाद बिज़नेस नेटवर्क इंटरनेशनल द्वारा आयोजित संगोष्ठी में युवा उद्यमियों को भूपेन्द्र पटेल का संबोधन

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट रूप से हुए है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा तथा मार्गदर्शन से गुजरात में आयोजित हो रही वाइब्रेंट समिट को लगातार सफलता मिल रही है। राज्य सरकार की स्टार्टअप, इनोवेशन, एमएसएमई के लिए प्रोत्साहक नीतियों के परिणामस्वरूप देश तथा दुनिया के उद्यमी तथा पूँजी निवेशक गुजरात में आने के लिए आतुर रहते हैं। इस संबंध में उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से गुजरात देश में सबसे अधिक फ़ॉरेन डाइरेक्ट इन्वेस्टमेंट (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्राप्त कर शीर्ष पर रहा है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को अहमदाबाद में बिज़नेस नेटवर्क इंटरनेशनल द्वारा आयोजित संगोष्ठी में युवा उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की नीतियों के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सुरक्षा के क्षेत्र में मज़बूत तथा सुगठित माहौल के परिणामस्वरूप लोग भारत;विशेषकर गुजरात को व्यापार-उद्योग के लिए पहली पसंद बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की युवा शक्ति की प्रतिभा को आवश्यक बुनियादी ढाँचा प्रदान कर उनकी शक्ति से भारत को विश्व में अग्रसर रखने की प्रेरणा दी है और स्टार्टअप इंडिया- स्टैण्डअप इंडिया जैसी पहलें की हैं। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात भी उन्हीं पद चिह्नों पर चलकर यह सरकार के माध्यम से युवाओं को जॉब क्रिएटर बनाने के लिए अधिक से अधिक स्टार्टअप को प्रोत्साहित कर रहा है। वर्ष 2015 से 'स्टार्टअप एंड इनोवेशन' स्कीम लागू की गई है। इतना ही नहीं, अब तक 300 से अधिक स्टार्टअप को 51.80 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई है। गुजरात में आज साढ़े आठ हज़ार से अधिक स्टार्टअप कार्यरत हैं और लगभग 125 पेटेंटफ़ाइल किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ायूनिकॉर्न स्टार्टअप है। राज्य सरकार सामाजिक क्षेत्र में भी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक प्रभाव रखने वाले स्टार्टअप को 10 लाख रुपए से अधिक सीड फ़ंडिंग प्रदान करती है। भूपेंद्र पटेल ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' गुजरात में युवा स्टार्टअप द्वारा रोज़गार सर्जन करने के क्षेत्र के लिए अमृतकाल बनेगा। बीएनआई जैसे संस्थानों का सहयोग उत्प्रेरक साबित होगा। इस अवसर पर बीएनआई के कार्यकारी निदेशक यश वसंत, क्षेत्रीय निदेशक स्नेहल पटेल के साथ-साथ अनुभवी अभिनेता कबीर बेदी सहित युवा उद्यमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अहमदाबाद नगर निगम के एक वार्ड में भाजपा पार्षद को फिर मिली जीत

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद नगर निगम के एक वार्ड में हुई मतगणना में एक साल बाद भारतीय जनता पार्टी के एक उम्मीदवार को फिर से विजेता घोषित किया गया है। कांग्रेस उम्मीदवार की याचिका पर उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद यहां दोबारा मतों की गिनती हुई। निगम चुनाव सम्पन्न हुए एक साल से अधिक समय हो गया है। अहमदाबाद नगर निगम चुनाव जनवरी 2021 में हुए थे।

उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में कुबेरनगर के वार्ड नंबर 14 की एक सीट से कांग्रेस उम्मीदवार जगदीश मोहनानी शनिवार को हुई वोटों की पुनर्गणना में भाजपा की गीताबेन चावड़ा से हार गए। राज्य निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा, ''पिछले साल फरवरी में हुई मतगणना से दोनों उम्मीदवारों को मिले मतों की संख्या अपरिवर्तित रही। गीताबेन चावड़ा ने 17,656 मत प्राप्त कर जीत हासिल की, जबकि मोहनानी को 16,992 मत मिले।''

इससे पहले 26 अप्रैल को उच्चतम न्यायालय ने ''चुनाव प्रक्रिया में सभी संदेहों को दूर करने के लिए उचित प्रक्रिया के तहत'' फिर से वोटों की गिनती का आदेश दिया था।

लिपिकीय त्रुटि के कारण नौवें दौर में डाले गए मतों को मिलान में नहीं जोड़े जाने की वजह से मोहनानी को पिछले साल 23 फरवरी को हुई मतगणना में पहले विजेता घोषित किया गया था। कुछ दिनों बाद, 26 फरवरी को निर्वाचन अधिकारी ने एक आदेश जारी किया जिसमें कहा गया था कि चावड़ा अधिकतम मतों के साथ वास्तविक विजेता हैं और मोहनानी को निर्वाचन अधिकारी के ''अंकगणितीय त्रुटि के कारण गलत तरीके से विजेता घोषित किया गया।''

मोहनानी ने तब गुजरात उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें बॉम्बे प्रांतीय नगर निगम (चुनावों का संचालन) नियम, 1994 के प्रावधानों के तहत परिणामों की घोषणा के बाद एक अन्य उम्मीदवार को निर्वाचित घोषित करके अपने फैसले को संशोधित करने के चुनाव अधिकारी के कदम को चुनौती दी गई थी। पिछले साल जनवरी में हुए स्थानीय निकायों के चुनाव में एएमसी में सत्तारूढ़ भाजपा ने 159 सीटें जीती थीं और कांग्रेस ने 24 सीटें जीती थीं।

प्रधानमंत्री मोदी १५ मई के बाद राज्य के दौरे पर आएंगे

प्रधानमंत्री के गुजरात दौरे को लेकर अटकलों का बाजार गर्म

मोदी सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के दौरे पर जा सकते है

अहमदाबाद, ७ मई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर एक बार गुजरात के दौरे पर आ रहे है। पिछले महीने गुजरात आने के बाद यह महीने फिर एक बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मेहमान बनेंगे, इसके पहले वह वर्च्युअल तरीके से गुजरात के साथ जुड़े थे और कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था। प्रधानमंत्री मोदी १५ मई के बाद गुजरात के दौरे पर आ रहे है। इस दौरान वह सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के दौरे पर जा सकते है। एक तरफ राज्य में चालू वर्ष में चुनाव आ रहा है और यह चुनाव जल्दी होगी ऐसी संभावनाएं और अटकलें लगाई जा रही है। दूसरी तरफ खोडलधाम के चेयरमैन नरेश पटेल और कांग्रेस के नेता हार्दिक पटेल को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही है। यह अटकलों का भी निकट के भविष्य में अंत आएगा ऐसी संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं। १५ मई के बाद गुजरात आ रहे होने की जानकारी सामने आ रही है जिसमें वह गुजरात के दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे यह मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है। इस दौरान वह दक्षिण गुजरात के ७ जिलों के सम्मेलन को संबोधित करने वाले है, जबकि राजकोट में अस्पताल के कार्यक्रम में भी पेश होंगे। यह भी कहा जा रहा है कि राज्य में चुनाव आ रहा है तब हर महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के दौरे पर आते रहेंगे। हालांकि, इस बार के उनके आगमन मामले में अभी तक आधिकारिक रूप से तारीखों की घोषणा नहीं की गई है।

अधिकतर प्रधानमंत्री खुद ही वतन आये तब ट्वीट करके कार्यक्रमों और तारीख मामले में जानकारी देते है। दूसरी तरफ खोडलधाम ट्रस्ट के चेयरमैन नरेश पटेल राजनीतिक भावी का काउन्टडाउन शुरू हो गया है, इस बीच वह दिल्ली जा रहे है और आगामी समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे तक में कोई बड़ी अपडेट आएगी ऐसी संभावना रही है। हालांकि वह राजनीति में शामिल होने के मामले में अभी तक स्पष्टता नहीं की है।

पिता की महिला मित्र के साथ मिलकर बेटे ने अपने ही पिता को उतारा मौत के घाट

राजकोट (ईएमएस) राजकोट शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक बेटे ने पिता की महिला मित्र के साथ मिलकर अपने पिता को मौत के घाट उतार दिया हत्या के बाद बेटे ने पिता की महिला मित्र के पैर बांध दिया और घर से बाहर आकर चिल्लाने लगा कि तीन शख्स उसके पिता को जिंदा जलाकर फरार हो गए आसपास के लोगों ने उसकी बातों पर यकीन भी कर लिया लेकिन पुलिस ने पूरी साजिश का कुछ ही घंटों में पर्दाफाश कर आशा चौहाण नामक महिला के खिलाफ दफा 302 के तहत केस दर्ज आगे की कार्यवाही शुरू की है इस घटना में मृतक के बेटे की भूमिका की पुलिस जांच कर रही है जानकारी के मुताबिक राजकोट शहर के मारुतिनगर निवासी राकेश अधियारु नामक व्यक्ति के घर में घुसकर तीन अज्ञात शख्सों ने उसे जिंदा जला देने की खबर मिलते ही भक्तिनगर पलिस और क्राइम ब्रांच का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए राजकोट के सिविल अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी पुलिस की प्राथमिक जांच में ही चौंकाने वाला खुलासा हुआ मृतक राकेश अधियारु शादीशुदा था और उसके दो बेटे भी है वर्ष 2006 में खाखरा बनाने की फैक्ट्री में राकेश का परिचय आशा चौहाण नाम महिला से हुआ और उसके बाद दोनों पिछले 16 साल से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे राकेश चौहाण का एक बेटा भी दोनों के साथ रहता था शराब पीने का आदी राकेश आए दिन आशा और अपने बेटे के साथ मारपीट करता था, जिससे दोनों ही परेशान थे बीती रात नशे की हालत में घर पहुंचे राकेश ने आशा और अपने बेटे का साथ झगड़ा किया रोज रोज की खटपट से तंग आए आशा और राकेश के बेटे ने उसकी हत्या की योजना बनाई जिसके मुताबिक घर का दरवाजा भीतर से बंद कर दिया और निद्राधीन राकेश पर उसके बेटे ने केरोसिन छिड़क दिया इस दौरान राकेश जाग गया और उसने अपने बेटे में काट लिया पिता की हरकत से बेटे ने निकट पड़ा दस्ता उठाया और उसके सिर पर दे मारा जिसके बाद आशा के साथ मिलकर राकेश को आग के हवाले कर दिया कुछ ही देर में राकेश का शरीर धू धू कर जलने लगा और उसकी मौत हो गई हत्या के आरोप से बचने के लिए राकेश के बेटे और आशा ने एक कहानी बनाई इसके अंतर्गत राकेश के बेटे ने आशा को रस्सी से बांध दिया और घर से बाहर जाकर चिल्लाने लगा कि उसके पिता को तीन शख्स जलाकर भाग गए चीखपुकार सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और मृतक के बेटे व आशा की कहानी उन्हें सच लगी खबर मिलते ही राजकोट की भक्तिनगर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और पूरी साजिश का पर्दाफाश कर आशा चौहान के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है साथ ही मृतक राकेश के बेटे की भूमिका की भी जांच शुरू की है

सावधान गुजरात, महाठग आ रहा है, एक पप्पू ने पार्टी का बंटाधार कर दिया : सीआर पाटील

सूरत (ईएमएस) गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कड़े प्रहार किए सूरत में वन डे वन डिस्ट्रिक्ट के आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीआर पाटील ने गुजरात के लोगों को सावधान किया और कहा कि महाठग आ रहा है यह महाठग कौन है? गुजरात की जनता उसे अच्छे से जानती है गुजरात विधानसभा के इस साल के अंत में होनेवाले चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस समेत आप ने पुरजोर तैयारियां शुरू कर दी है आगामी चुनाव को लेकर गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील एक्शन मोड में आ गए हैं वन डे वन डिस्ट्रिक्ट के तहत आज सूरत के कडोदरा और बारडोली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था कडोदरा के छात्राला पोइंट से अकलामुखी मंदिर तक विशाल रैली निकाली गई इस मौके पर पाटील ने विपक्ष पर कड़े प्रहार किए और कहा कि आज की रैली देख कई लोगों की सांसे फूल गई होंगी प्रधानमंत्री का अश्वमेघ यज्ञ रोकने की किसी में ताकत नहीं है भाजपा का एक भी कार्यकर्ता छुट्टी पर नहीं है और वह लगातार सेवा कार्यों में जुटा हुआ है उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही मेंढक ड्राउं ड्राउं करने आ जाते हैं अभी एक नया अवतार आया है एक महाठग गुजरात आने वाला है, जिससे गुजरात के लोगों को सतर्क रहना है उन्होंने यह भी कहा कि यह महाठग कौन है? इसे गुजरात के लोग भलीभांति जानते हैं एक पप्पू है, जिसने अपनी पार्टी का बंटाधार कर दिया है हांलाकि सीआर पाटील ने किसी का नाम नहीं लिया और कांग्रेस व आम आदमी पार्टी पर जमकर प्रहार किए बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी आगामी 10 मई को गुजरात आ रहे हैं 10 मई को राहुल गांधी दाहोद में 'आदिवासी अधिकार सत्याग्रह' लोकार्पण करेंगे 11 मई को आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गुजरात आएंगे अरविंद केजरीवाल का सौराष्ट्र के राजकोट में रोड शो और एक जनसभा को संबोधित करेंगे

राज्य में फिर बढ़ने लगे हैं कोरोना के मामले, 27 नए मरीज, 19 लोग डिस्चार्ज, 1 मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में फिर एक बार कोरोना के मामले धीरे धीरे बढ़ने लगे हैं पिछले 24 घंटों के भीतर राज्य में कोरोना के 27 नए मरीज सामने आए हैं और 19 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए करीब 16 दिनों के बाद राज्य में एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 19 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए वडोदरा कॉर्पोरेशन में 3, बनासकांठा, गांधीनगर, खेडा, मेहसाणा और राजकोट कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक-एक मरीज पिछले 24 घंटों में सामने आया जबकि खेडा जिले में कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई राज्य में अब तक कोरोना 10944 लोगों को निगल चुका है पिछले 24 घंटों में 19 लोगों को डिस्चार्ज किए जाने के साथ ही राज्य में कोरोना से अब तक 1213401 ठीक हो चुके हैं फिलहाल राज्य में कोरोना के 125 सक्रिय मरीज हैं और सभी स्टेबल हैं दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के अंतर्गत अब तक 10 करोड़ 81 लाख 57 हजार 779 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है

पुलिस को चकमा देकर शार्प शूटर फरार, पीएसआई समेत 8 के खिलाफ केस दर्ज, 3 गिरफ्तार

वडोदरा (ईएमएस) शहर की एक होटल से कुख्यात शार्प शूटर एन्थनी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया इस मामले में पीएसआई समेत 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है साथ ही पीएसआई समेत तीन लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है घटना बीते दिन की है जब पीएसआई जेपी डामोर एक प्राइवेट कार में शार्प शूटर एन्थनी को उसके परिवार से मिलाने के लिए वडोदरा के सयाजीगंज स्थित होटल में ले गए थे जानकारी के मुताबिक यह प्राइवेट कार एन्थनी ने ही मंगवाई थी होटल पहुंचने के बाद शार्प शूटर को उसके परिवार के साथ छोड़ दिया और पुलिस दूसरे कमरे में आराम फरमा रही थी उस वक्त शार्प शूटर एन्थनी अपने परिवार के साथ होटल से फरार हो गया घटना के बाद छोटाउदेपुर पुलिस एन्थनी के फरार होने की रिपोर्ट दर्ज करवाने वडोदरा के रावपुरा पुलिस थाने पहुंच गई जहां बताया कि शार्प शूटर अस्पताल से चकमा देकर फरार हो गया मामला सामने आते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी जांच में एन्थनी को भगाने में पीएसआई जेपी डामोर, होटल के मैनेजर और रूम बॉय समेत 8 लोगों के मदद करने का खुलासा हुआ है बताया जाता है कि होटल में पहुंचने के बाद एन्थनी से दो महिलाएं उससे मिलने आई थी जिसमें से एक एन्थनी की बहन होने की संभावना है फिलहाल पुलिस ने 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और पीएसआई जेपी डामोर, होटल मैनेजर और रूम बॉय को गिरफ्तार कर जांच शुरू की है

गुजरात हाईकोर्ट वरिष्ठ न्यायधीश जेबी पारडीवाला सुप्रीम कोर्ट में न्यायधीश नियुक्त

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायधीश जेबी पारडीवाला को सुप्रीम कोर्ट में न्यायधीश नियुक्त किया गया है केन्द्र सरकार के कानून विभाग ने अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी है सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुजरात हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायधीश जेबी पारडीवाला को सुप्रीम कोर्ट में न्यायधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायधीश विक्रमनाथ, न्यायधीश एमआर शाह और न्यायधीश बेलाबेन त्रिवेदी की सुप्रीम कोर्ट नियुक्ति की जा चुकी है अब गुजरात हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायधीश जेबी पारडीवाला को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया गया है जेबी पारडीवाला का जन्म मुंबई हुआ था 1990 में जेबी पारडीवाला ने गुजरात हाईकोर्ट में प्रेक्टिस शुरू की थी 1994 में जेबी पारडीवाला बार काउंसिल के सदस्य चुने गए वर्ष 2002 में गुजरात हाईकोर्ट के लिए स्टेडिंग वकील के तौर पर नियुक्त किए गए 17 फरवरी 2011 को जेबी पारडीवाला ने गुजरात हाईकोर्ट के न्यायधीश का कार्यभार संभाला था

फेनिल फांसी की सजावाला आरोपियों की बेरेक में रखा जाएगा

सूरत, ७ मई।

पूरे राज्य में सनसनी मचाने वाले सूरत के ग्रीष्मा हत्याकांड में दोषी फेनिल गोयाणी को कोर्ट ने फांसी की सजा दी गई है तब यह फैसले की वजह से इसके परिवार के साथ राज्य के लोगों ने भी संतोष व्यक्त किया है। अब सजा देने के बाद फेनिल को जेल में कैदी नंबर दिया गया है जिसमें नंबर २२३१ इसे दिया गया है। फेनिल को हाल मेडिकल ऑब्जर्वेशन में रखा गया है। आज के दिन में इसके पक्का काम के कैदी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी इसके साथ ही फांसी की सजावाला आरोपियों की बेरेक में रखा जाएगा। ग्रीष्मा की निर्मम हत्या करने वाला हत्यारा फेनिल को सूरत की सेशंस कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। न्यायाधीश व्यास ने यह केस को रेरेस्ट ऑफ रेयर केस बताकर खुलेआम हत्या करने वाला हत्यारे को फांसी की सजा देते हुए कहा कि इस प्रकार की हत्या के खिलाफ यदि ऐसा फैसला नहीं दिया जाए तो युवतियों और महिलाओं का घर के बाहर निकलना दुष्कर हो जाएगा। अपराधियों को खुला मैदान नहीं मिले और समाज में जंगलराज पैदा नहीं हो इसके लिए इस प्रकार का फैसला देना जरूरी था। यह फैसले का सुनाते समय संस्कृत के श्लोक बोले थे। उन्होंने कहा कि यह प्रकार के आरोपी के लिए फांसी से कम कोई सजा नहीं हो सकती है। इसके पहले सूरत में ग्रीष्मा वेकरिया हत्या केस में दोषी फेनिल को २६ अप्रैल को कोर्ट में पेश किया गया था। बचाव पक्ष के वकील ने फेनिल को कम से कम सजा हो इसके लिए दलील दी थी। जबकि सरकारी वकील ने फेनिल को फांसी की सजा होनी चाहिए ऐसी मांग की थी या इतनी निर्मम सजा दी जाए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार का कृत्य करने से रूके ऐसी मांग की थी और यह मांग पूरी हो गई है और फेनिल को फांसी की सजा मिली है। सूरत के ग्रीष्मा हत्या केस में फेनिल को ३०२ सहित की विभिन्न धाराओं के लिए दोषी ठहराया गया था।

भीषण गर्मी में वाहन चालकों को आंशिक राहत मिलेगी

दोपहर के समय सिग्नल पर खड़े होने की जरूरत नहीं

अहमदाबाद, ७ मई।

अहमदाबाद के लोगों को गर्मी से राहत देने के लिए पुलिस फैसला लेने जा रही है। दोपहर के समय ट्रैफिक सिग्नल को बंद करने का निर्णय लिया जा सकता है। जिससे भीषण गर्मी में वाहन चालकों को आंशिक राहत मिलेगी। अब धूप में वाहन चलान वालों को भी यातायात नियमों का पालन करने से छूट मिलेगी। शहर ट्रैफिक पुलिस सिग्नल बंद करने का निर्णय पुलिस अधिकारियों की राय के बाद जल्द लागू कर सकती है। दोपहर एक बजे के बाद जैसे जैसे तापमान बढ़ता है। हीटस्ट्रोक, हीटवेव का प्रभाव स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए ट्रैफिक पुलिस को दोपहर के समय सिग्नल बंद रखने की राय मिली है। सिग्नल बंद करने का निर्णय राय के तुरंत बाद लिया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस के सिग्नल बंद करने के फैसले से भीषण गर्मी में राहगीरों को थोड़ी राहत मिलेगी। अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस ने इंसानियत दिखाते हुए यह अहम फैसला लेने वाली है। अब ताकि लोगों को धूप में सिग्नल पर खड़ा नहीं होना पड़े। अब गौरतलब है कि गर्मी में डिहाइड्रेशन की वजह से लोग बेहोश हो जाते है। अब जिसकी वजह से यह फैसला लेने पर विचार किया जा रहा है। अब ट्रैपिक नियमों को सख्ती से लागू करने के बीच ट्रैपिक पुलिस ने एक मानवीय फैसला लिया है। अब इस निर्णय से वाहन चालकों को चिलचिलाती धूप से बचाव होगा।

दौरा रद्द करने पर कई तर्क-वितर्क

नरेश पटेल ने दिल्ली का दौरा अचानक रद्द किया

राजकोट, ७ मई।

गुजरात विधानसभा के चुनाव पहले नयापुराने की संभावना दिखाई दे रही है। नरेश पटेल को लेकर अभी चित्र स्पष्ट नहीं हुआ है वह किस पार्टी में शामिल होंगे इसे लेकर पहेली अभी भी उलझी हुई है। फिर भी चर्चा चल रही है कि नरेश पटेल के कांग्रेस में शामिल होने के लिए मंच तैयार किया जा रहा है। यह चर्चा के बीच खोडलधाम के चेयरमैन नरेश पटेल को लेकर सुबह में समाचार मिला कि वह दिल्ली दरबार में पहुंचेंगे लेकिन अचानक उन्होंने कार्यक्रम रद्द हुआ था। खोडलधाम के चेयरमैन और पाटीदार सीनियर नरेश पटेल आज फिर से दिल्ली के दौरे पर जाने वाले थे और राजनीति में एंट्री की बातों के बीच दिल्ली दौरा पर सभी की नजर टिकी हुई थी। राजनीति के साथ जुड़े हुए सूत्रों ने नरेश पटेल के दिल्ली के दौरे में कई तर्क-वितर्क लगाये जा रहे हैं।

इतना ही नहीं नरेश पटेल दिल्ली में किसके -किसके साथ मुलाकात करने वाले थे इस मामले में भी अलग -अलग अटकलें चल रही थी। नरेश पटेल आज सुबह में ९ बजे राजकोट से दिल्ली जाने वाले थे। लेकिन अचानक कार्यक्रम रद्द किया गया है और वह विभिन्न कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे। कांग्रेस में कुछ ही दिनों में नये-पुराने की संभावना दिखाई दे रही है। नरेश पटेल के कांग्रेस आगमन की अब घड़ी गिनी जा रही है।

आपको बता दे कि १० मई को नरेश पटेल राजनीति में एंट्री करेंगे की नहीं इसकी घोषणा करने की बात की थी। अब बड़ी घोषणा पहले की दिल्ली मुलाकात पर सभी की नजर टिकी हुई है। उल्लेखनीय है कि गत महीने भी दिल्ली दरबार में पहुंचकर नरेश पटेल कांग्रेस हाईकमान के साथ बैठक की थी।

वानगांव एवं दहानू रोड के बीच मेजर ट्रैफिक ब्लॉक के कारण अहमदाबाद से चलने/गुजरने वाली कई ट्रेनें प्रभावित

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के वानगांव और दहानू रोड स्टेशनों के बीच पुल संख्या 166 और 169 पर स्थायी डायवर्जन के कार्य को करने के लिए 08 मई, 2022 को एक मेजर ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा, जिसके कारण की अहमदाबाद से चलने/होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों को रेगुलेट, शॉर्ट टर्मिनेट/आंशिक रूप से निरस्ता किया जाएगा। इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

8 मई, 2022 को निरस्तक ट्रेनें

1. ट्रेन नंबर 19015 मुंबई सेंट्रल-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस

2. 9 मई 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 19016 पोरबंदर-मुंबई सेंट्रल सौराष्ट्र एक्सयपेस

8 मई, 2022 को आंशित रूप से निरस्तन एवं शॉर्ट टर्मिनेटेड ट्रेनें

1. ट्रेन नंबर 22953 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद गुजरात एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल और उमरगाम रोड के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और उमरगाम रोड से प्रस्थामन करेगी।

2. ट्रेन नंबर 12480 बांद्रा टर्मिनस-जोधपुर सूर्य नगरी एक्सप्रेस बांद्रा टर्मिनस और सूरत के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और सूरत से प्रस्था1न करेगी।

3. ट्रेन नंबर 12933 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद कर्णावती एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल और वापी के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी और वापी से प्रस्था1न करेगी।

4. 7 मई, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 12479 जोधपुर-बांद्रा टर्मिनस सूर्य नगरी एक्सप्रेस को सूरत में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और इसलिए सूरत और बांद्रा टर्मिनस के बीच आंशिक रूप से निरस्तध किया जाएगा।

5. ट्रेन नंबर 12934 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल कर्णावती एक्सप्रेस को वापी में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और इसलिए वापी और मुंबई सेंट्रल के बीच आंशिक रूप से निरस्तट किया जाएगा।

रेगुलेटेड/री-शेडयूल्ड ट्रेनें:-

1. 08 मई, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 12216 बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला गरीब रथ एक्सप्रेस को 2 घंटे पुनर्निर्धारित किया गया है और अब यह 14.00 बजे प्रस्थान करेगी।

2. 08 मई, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 14708 दादर-बीकानेर रणकपुर एक्सप्रेस को 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

3. 08 मई, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 19217 बांद्रा टर्मिनस-वेरावल एक्सप्रेस 1 घंटा पुनर्निर्धारित किया गया है और अब यह 14.40 बजे प्रस्थान करेगी।

4. ट्रेन संख्या 22932 जैसलमेर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस को 8 मई 2022 को 1 घंटा 05 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

5. ट्रेन नंबर 09038 बाड़मेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 8 मई 2022 को 30 मिनट तक रेगुलेट किया जाएगा।

6. ट्रेन नंबर 22954 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल गुजरात एक्सप्रेस को 8 मई 2022 को 50 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

दीव नगर निगम पर भाजपा का कब्जा, कांग्रेस के 7 पार्षदों ने छोड़ा हाथ का साथ

अहमदाबाद (ईएमएस) 10 साल के बाद दीव नगर निगम पर भाजपा का कब्जा हो गया है कांग्रेस के 7 नगर पार्षदों की बगावत का भाजपा को फायदा हुआ है और उसने दीव नगर निगम पर कब्जा कर लिया है 7 नगर पार्षदों के पाला बदलने से दीव नगर निगम में कांग्रेस के हाथ से सत्ता चली गई दीव नगर निगम में कुल 13 सीटें हैं, जिसमें से कांग्रेस के पास 10 और भाजपा के पास 3 सीटें थी आज कांग्रेस के 7 नगर पार्षद भाजपा में शामिल हो गए 7 नगर पार्षदों के जाने से अब कांग्रेस के केवल 3 नगर पार्षद बचे हैं जबकि भाजपा के नगर पार्षदों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है

कच्छ-मालवण हाइवे पर दो टैंकर टकराने पर छह वाहनों में आग

कच्छ, ७ मई।

कच्छ-मालवण हाइवे पर हरीपर के पाटिया के पास २ टैंकर के बीच दुर्घटना होने की वजह से बड़ी दुर्घटना हुई है। दुर्घटना के बाद टैंकर में आग लग गई थी और भारी भगदड़ मच गई थी। इसके साथ ही वहां जा रहे अन्य ५ वाहन भी इसकी चपेट में आये थे और इसमें भी आग लगी थी। इस तरह कुल ६ वाहनों में आग लगने की वजह से भय का माहौल पैदा हो गया। दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद ध्रांगध्रा, सुरेन्द्रनगर, हलवद के फायर फाइटर्स ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग को काबू में लेने की कार्रवाई शुरू की। दुर्घटना की वजह से दोनों तरफ करीब पांच किमी लंबी वाहनों की लाइन लग गई थी। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत होने की आशंका रही है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार एक टैंकर में ज्वलनशील तरल पदार्थ भरा हुआ था। घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लेने के साथ वाहन व्यवहार को पूर्ववत करने के लिए कार्रवाई शुरू की।

भारत की छवि खराब करने की कोशिश सम्मेलन में कोविड-१९ मौतों के संबंध में डब्ल्यूएचओ के मामले को उठाया गया था

केवडिया, ७ मई।

भारत में कोरोना की वजह से होने वाली मौतों पर डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण परिषद (ष्टष्टलस्त्रङ्ख) ने खारिज कर दिया है। गुजरात के केवडिया में चल रहे तीन दिवसीय (५ से ७ मई) स्वास्थ्य शिविर में मंत्रियों ने कहा डब्ल्यूएचओ ने बिना किसी वैज्ञानिक प्रमाण और तर्कसंगत के आधारहीन तरीके से अपनी रिपोर्ट पेश की है। इसमें जो आंकड़े दिए गए हैं, वो वास्तविक संख्या नहीं है। ङ्खलह्र की रिपोर्ट देश की छवि खराब करने की कोशिश है, क्योंकि भारत में पारदर्शी और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए कोरोना के चलते होने वाली मौतों को व्यवस्थित तरीके से दर्ज किया जाता है। गुरुवार को जारी अपनी रिपोर्ट में डब्ल्यूएचओ ने अनुमान लगाया है कि कोरोना के चलते पिछले दो वर्षों में विश्व में १.५ करोड़ और भारत में ४७ लाख मौतें हुई हैं। विश्व में कोरोना के चलते मौतों का आधिकारिक आंकड़ा ६२ लाख और भारत में पांच लाख से कुछ अधिक है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने कहा कि भारत में हर मौत सबसे आथेंटिक तरीके से दर्ज की जाती है। डब्ल्यूएचओ ने बिना किसी वैज्ञानिक प्रमाण और तर्कसंगत के आधारहीन तरीके से अपनी रिपोर्ट पेश की है। इसमें जो आंकड़े दिए गए हैं, जो वास्तविक संख्या नहीं है। भारत में इस रिपोर्ट को कई स्तर पर गलत बताकर इसकी आलोचना की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, हम अपनी संख्या पर कायम है, क्योंकि भारत ने एक वैज्ञानिक आधार पर ही अपने आंकड़े देश और दुनिया के सामने पेश किए हैं। १४वें केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण परिषद में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में सम्मेलन के दौरान कोविड-१९ मौतों के संबंध में डब्ल्यूएचओ के मामले को उठाया गया था। सम्मेलन में २० राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों ने एक सुर में ङ्खलह्र की रिपोर्ट को खारिज करने के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से देश की इस भावना से ङ्खलह्र को अवगत कराने और शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इसे उठाने का आग्रह किया है।